दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 1 ■ अंक : 277

ग्वालियर, रविवार 26 जून 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

गुजरात दंगे पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर गृहमंत्री शाह ने कहा, पीएम मोदी चुपचाप सारे आरोपों को सहते रहे

राहुल गांधी की तरह पीएम मोदी ने पूछताछ को लेकर नाटक नहीं किया

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को इंटरव्यू में 2002 में गुजरात दंगे को लेकर अपनी चुप्पी तोड़ी और बयान दिया। गृहमंत्री शाह ने कहा कि पीएम मोदी पर सारे आरोप गलत पाए गए हैं, ये आरोप राजनीति से प्रेरित हैं। पीएम मोदी चुपचाप सारे आरोपों को सहते रहे। पीएम मोदी ने कई सालों तक आरोपों को बर्दाश्त किया। सुप्रीम कोर्ट ने पीएम मोदी पर लगे सारे आरोपों को खारिज कर दिया है। दंगे के दौरान सेना को बुलाने में कोई देरी नहीं हुई थी। पुलिस-प्रशासन के प्रभावी रुप से कार्रवाई ना कर पाने के सवाल पर शाह ने कहा कि राजनीति से प्रेरित पत्रकारों और कुछ गैर सरकारी संगठनों ने आरोपों को प्रचारित किया। उनके पास मजबूत तंत्र था, इसकारण हर कोई झूठ को सच मानने लगा था। शाह ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से ईडी की पूछताछ पर कांग्रेस के विरोध पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि मोदीजी ने एसआईटी के सामने पेश होते समय ड्रामा नहीं

किया। मेरे समर्थन में सामने आओ, विधायकों-सांसदों को बुलाओ और धरना करो। उन्होंने कहा कि अगर एसआईटी सीएम (मोदी) से सवाल करना चाहती है, तब वह खुद सहयोग करने के लिए तैयार हैं, विरोध क्यों शाह ने कहा कि एक बड़े नेता ने 18-19 साल की लंबी लड़ाई को बिना एक शब्द कहे और भगवान शंकर के विषपान की तरह सभी दर्द को झेला। मैंने उन्हें बहुत करीब से पीड़ित देखा। केवल एक मजबूत इरादों वाला व्यक्ति ही कुछ न कहने का स्टैंड ले सकता था, क्योंकि मामला कोर्ट में विचाराधीन था। शाह ने कहा कि जहां तक गुजरात सरकार का सवाल है, हमें देर नहीं हुई। जिस दिन गुजरात बंद का आह्वान किया गया था, उस दिन दोपहर में ही हमारी सरकार ने सेना बुला ली थी। सेना को पहुंचने में कुछ समय लगता है. एक दिन की भी देरी नहीं हुई थी। कोर्ट ने भी इसकी सराहना की। गृह मंत्री ने कहा कि सब कुछ (स्थिति को नियंत्रित करने के लिए) किया गया था। नियंत्रित करने में सम य लगता है। गिल साहब (पूर्व पंजाब डीजीपी, दिवंगत केपीएस गिल) ने कहा था कि उन्होंने अपने जीवन में इससे अधिक तटस्थ और त्वरित कार्रवाई कभी नहीं देखी। फिर भी उनके खिलाफ भी आरोप लगाए गए। शाह ने कहा कि दंगों का मूल कारण गोधरा ट्रेन का जलना था। 16 दिन के बच्चे सहित 59 लोगों को आग के हवाले किया गया।

कांगेस नेता राहुल गांधी के वायनाड ऑफिस में तोड़फोड़

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी के वायनाड ऑफिस में तोड़फोड़ की घटना सामने आई है। वायनाड ने घटना की पुष्टि भी की है। वहीं, कांग्रेस ने राहुल गांधी वायनाड ऑफिस पर हुए हमले में स्टूडेंट्स

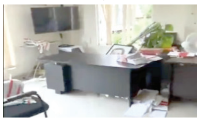

फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) की भूमिका का आरोप लगाया है। राहुल गांधी के ऑफिस में रखी गईं कुर्सियों को भी तोड़ा गया है। ऑफिस में अटैक का वीडियो भी सामने आया है जिसे आप नीचे देख सकते हैं। कथित तौर पर ऑफिस के कर्मचारियों के साथ भी मारपीट की गई है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की ओर से सभी संरक्षित क्षेत्रों, वन्यजीव अभयारण्यों और राष्ट्रीय उद्यानों को लेकर जारी आदेश से नाराज भीड़ ने कहना है कि राहुल गांधी इस मामले पर अपनी चुप्पी तोड़े। सुप्रीम कोर्ट ने सभी संरक्षित क्षेत्रों, वन्यजीव अभयारण्यों और राष्ट्रीय उद्यानों के आसपास एक किलोमीटर के पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्र (ईएसजेड) को अनिवार्य करने का आदेश दिया है।

दिल्ली में सुहानी रही सुबह, न्यूनतम तापमान 24.3 डिग्री सेल्सियस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार की सुबह सुहानी रही और यहां न्यूनतम तापमान 24.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से चार डिग्री सेल्सियस कम है। भारत मौसम विज्ञान विभाग

(आईएमडी) ने यह जानकारी दी। आईएमडी के मुताबिक, सुबह साढ़े आठ बजे हवा में सापेक्षिक आर्द्रता का स्तर 58 प्रतिशत दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने दिन में आसमान में बादल छाए रहने और अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान जताया है। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम यानी 39.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री कम यानी 23.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। निजी मौसम पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट के अनुसार, 27 जून से तापमान में गिरावट आने की संभावना है। स्काईमेट वेदर के उपाध्यक्ष (जलवायु परिवर्तन और मौसम विज्ञान) महेश पालावत ने कहा, दिल्ली में साफ आसमान के बीच चलने वाली शुष्क और गर्म पछुआ हवाओं के कारण अधिकतम तापमान एक बार फिर 40 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है।

हर बूथ पर 51 प्रतिशत वोट का संकल्प लेकर मैदान में उतरे हैं कार्यकर्ता: विष्णुदत्त शर्मा

प्रदेश अध्यक्ष ने मीडिया से चर्चा में कहा- पार्टी प्रत्याशियों को मिल रहा जनता का आशीर्वाद

जबलपुर। हमारे सभी नेता, मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री, साँसद, विधायक, पदाधिकारी और कार्यकर्ता बूथ विजय के संकल्प के साथ बूथों पर पहुँच रहे हैं। सभी ने हर बूथ पर 51 प्रतिशत वोट पार्टी के लिए हासिल करने का संकल्प लिया है। हमारे महापौर और पार्षद प्रत्याशियों को भी जनता का अपार स्नेह और आशीर्वाद मिल रहा है। यह बात प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने जबलपुर में संभागीय मीडिया सेंटर के शुभारंभ के अवसर पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए कही।

स्वच्छ छवि वाले कार्यकर्ताओं को पार्टी ने बनाया प्रत्याशी: प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश की सभी सीटों पर ऐसे कार्यकर्ताओं को प्रत्याशी बनाया है,

जिनकी समाज में अपनी छवि है। हमारे जबलपुर के महापौर पद के प्रत्याशी डॉ जितेंद्र जामदार भी ऐसे ही प्रत्याशी हैं, जिन्होंने जीवन भर समाज सेवा के क्षेत्र में कार्य किया है और चिकित्सीय पेशे के साथ-साथ पीड़ित मानवता की भलाई के लिए भी काम किया है। इसी तरह हमने इंदौर, ग्वालियर, भोपाल, कटनी, खंडवा सहित सभी 16 नगर निगमों में स्वच्छ छवि और उत्कृष्ट व्यक्तित्व वाले कार्यकर्ताओं को चुनाव में उतारा है और निश्चित ही हमें सभी 16 निगमों मे जीत मिलेगी। उन्होंने कहा कि दूसरी तरफ कांग्रेस के प्रत्याशी भी आपके बीच हैं। जब उनके पास कोई कार्यकर्ता नहीं बचा तो उन्होंने विधायक को ही महापौर का प्रत्याशी बना दिया और इसके अलावा भी जिन्हें चुनाव में प्रत्याशी बनाया है उनकी छवि और कार्यों से आप सभी परिचित हैं। उन्होंने कहा ग्रामीण और नगरीय निकाय चुनाव लोकतंत्र की मजबूती के आधार हैं। इसलिए हमारा प्रयास है कि इसमें ऐसे लोग चुनकर के आयें जो देश, समाज और जनता के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करें। किसी भी तरह के आपराधिक प्रवृत्ति के लोग चुनाव नहीं लड़ें, इसका हमने ध्यान रखा है।

भाजपा की नीतियों में विश्वास जताकर मैदान से हट रहे विरोधी: श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश में हो रहे निकाय चुनाव में 6500 से अधिक पार्षद चुनाव मैदान में हैं। उनमें से 109 पार्षद निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं, साथ ही 23 हजार पंचायतों में से 655 में हमारे सरपंच निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। इसके साथ ही दो नगर परिषदों के 15 में से 15 पार्षद निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं और एक पंचायत में तो सरपंच के साथ सभी पार्षद महिलाएं निर्विरोध चुनी गई हैं। यह अपने आप में गौरव की बात है और इसके लिए सभी को शुभकामनाएं देता हूँ। उन्होंने कहा कि यह भारतीय जनता पार्टी की नीतियों और उसकी सरकारों द्वारा किए गए विकास कार्यों का ही परिणाम है।

कुल्लू के रोड शो में बीजेपी व कांग्रेस पर बरसे केजरीवाल

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव का समय नजदीक आते ही राजनीतिक सरगर्मियों तेज हो गई हैं। पंजाब में सरकार बनाने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) की अब पहाड़ी राज्य हिमाचल पर नजर है। %आप% के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कुल्लू में एक बड़ा रोड शो किया। इस दौरान पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी उनके साथ रहे। इस दौरान केजरीवाल ने जनता को संबोधित करते हुए कांग्रेस और भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश का कई हजार करोड़ रुपये का बजट है, लेकिन पिछले 20 साल में यहां एक भी नया सरकारी स्कूल, सड़क, डिस्पेंसरी, सरकारी अस्पताल बना? तो ये सारा पैसा कहां जाता है? एक बार कांग्रेसियों की जेब में गया और एक बार भाजपा की जेब में गया। केजरीवाल ने कहा कि हम राजनीति नहीं जानते। हम यहां राजनीति करने नहीं आए

हैं। हमारा सफर अन्ना आंदोलन से शुरू हुआ और फिर हमने पार्टी बनाई। हमने देश से भ्रष्टाचार को खत्म करने का संकल्प लिया है। पहले हमने दिल्ली में भ्रष्टाचार खत्म किया और फिर पंजाब में इसकी शुरुआत की। उन्होंने कहा कि क्या आपने कभी किसी सीएम को अपने मंत्री को जेल भेजने के बारे में सुना है? भगवंत मान साहब को जब यह पता चला कि उनका स्वास्थ्य मंत्री अनैतिक गतिविधियों में लिप्त है। विपक्ष और मीडिया को इस बारे में कुछ पता नहीं था। अगर वह चाहते तो वह इसे दबा सकते थे या मंत्री से अपना हिस्सा मांग सकते थे, लेकिन उन्होंने उसे जेल भेज दिया। वहीं, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि सबसे पहले दिल्लीवालों ने इंजन बदला और लेटेस्ट मॉडल केजरीवाल को चुना तो दिल्ली के विकास की गाड़ी पटरी पर आ गई। अब पंजाब की बारी है।

ठाकरे अब बागी शिंदे गुट के खिलाफ आर-पार की लड़ाई के मूड में, 16 बागी विधायकों को नोटिस जारी किया

मुंबई। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे अब बागी शिंदे गुट के खिलाफ आर-पार की लड़ाई में उतर आए हैं। शिवसेना की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शनिवार को चार प्रस्ताव पास हुए। जिसमें शिंदे गुट पर कड़े एक्शन की राह खुल गई है। उधर, डिप्टी स्पीकर नरहरि जिरवाल ने शिंदे सहित 16 बागियों को नोटिस जारी किया है। विधायकों की सदस्यता रद्द करने से पहले जवाब देने के लिए 27 जून शाम साढ़े पांच बजे तक का वक्त दिया है। उधर, शिवसेना ने शिंदे गुट का नाम बालासाहेब के नाम पर रखे जाने के खिलाफ चुनाव आयोग जाने का फैसला लिया है। महाराष्ट्र में सीएम ठाकरे पर राजनीतिक संकट पल-पल बढ़ता जा रहा है लेकिन, उद्धव हार मानने को तैयार नहीं है। उन्होंने अब एकनाथ शिंदे गुट को मनाना छोड़ एक्शन की तैयारी शुरू कर दी है। एक तरफ शिवसेना ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी में एकनाथ शिंदे के खिलाफ चार प्रस्ताव पास किए। दूसरी ओर डिप्टी स्पीकर नरहरि जिरवाल ने शिवसेना के पत्र का संज्ञान लिया है। बागियों की सदस्यता रद्द करने के लिए डिप्टी स्पीकर ने शिंदे गुट के 16 विधायकों को नोटिस जारी किया है और सोमवार यानि 27 जून शाम साढ़े पांच बजे तक जवाब मांगा है। शिवसेना की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पहले प्रस्ताव के तहत शिवसेना चुनाव आयोग जाएगी। शिवसेना आयोग में अपील करेगी कि कोई और बालासाहेब के नाम का इस्तेमाल नहीं कर सकता। अन्य प्रस्तावों में बागियों पर एक्शन होगा। हिन्दुत्व और मराठी अस्मिता का प्रस्ताव पास हुआ। आखिरी प्रस्ताव में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व पर भरोसा जताया गया है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में ठाकरे ने एकनाथ शिंदे पर सीधा हमला बोला। शिंदे के अपने गुट का नाम शिवसेना बालासाहेब रखने पर उद्धव ने दो टूक शब्दों में कहा कि अगर किसी को चुनाव लड़ना है तो अपने बाप के नाम से लड़ो। बालासाहेब उनके पिता थे और कोई और उनके नाम का इस्तेमाल नहीं कर सकता। महाराष्ट्र में राजनीतिक उठापटक के बीच अब डिप्टी स्पीकर की भी सक्रियता बढ़ गई है। महाराष्ट्र विधानसभा के डिप्टी स्पीकर की ओर से 16 बागी विधायकों को नोटिस भेजा गया है। उन्हें 27 जून की शाम 5:30 बजे तक जवाब देने के लिए भी कहा गया है। सवाल यही है कि क्या यह बागी विधायक उस वक्त तक हाजिर हो पाएंगे या नहीं?

मथुरा-वृंदावन में चलेगी लाइट मेट्रो सीएम योगी की बैठक में योजना के लिए 10 अरब रुपये को मंजूरी

मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों व अधिकारियों के साथ मथुरा ब्रज क्षेत्र के विकास की विभिन्न योजनाओं पर मंथन किया। इस दौरान तय किया गया है कि ब्रज चौरासी कोसी परिक्रमा मार्ग को दो लेन एवं चार लेन जहां जैसी भी भूमि उपलब्ध होगी, उसी के मुताबिक विकसित किया जाएगा। वहीं बैठक में मथुरा-वृंदावन के बीच 1000 करोड़ रुपये से लाइट रेल चलाने की योजना को मंजूरी दी गई। बैठक में अपर मुख्य सचिव गृह और धर्मार्थ कार्य अवनीश अवस्थी और ब्रज तीर्थ विकास परिषद मथुरा के उपाध्यक्ष शैलजा कांत मिश्रा उपस्थित थे। अवनीश अवस्थी ने कहा कि बैठक में मथुरा-

वृंदावन रेल मार्ग परियोजना पर विचार-विमर्श किया गया। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इस परियोजना पर मंडल रेल प्रबंधक आगरा के यहां गतिशक्ति यूनिट स्थापित कर दी गई है। वह शीघ्र ही मथुरा-वृंदावन लाइट रेल योजना शुरू करने के लिए डीपीआर बनाने का कार्य करेगी। यह परियोजना लगभग 1000 करोड़ रुपये की होगी। इससे श्रद्धालु बिना ट्रैफिक जाम से सुगमता से मथुरा से वृंदावन आ-जा सकेंगे। केंद्रीय मंत्री पत्तन जहाजरानी एवं जलमार्ग सर्वानंद सोनेवाल ने बताया कि वृंदावन से गोकुल तक जलमार्ग बनाने का कार्य करने के लिए सहमत हैं परंतु नौका एवं उसके संचालन का काम प्रदेश सरकार को करना होगा। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी से उपाध्यक्ष ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा अनुरोध किया गया कि परिषद द्वारा चंद्रसरोवर गोवर्धन, रसखान समाधि महावन पर एक-एक ओपन एयर थियेटर बनाया गया है।

स्पेन में घुसने के लिए मची भगदड़ में 18 प्रवासियों की मौत

रबात। स्पेन में घुसने की कोशिश के दौरान देश के उत्तर अफ्रीकी एन्क्लेव मेलिला से सटी मोरक्को की सीमा पर शुक्रवार को बाड़ के पास मची भगदड़ में कम से कम 18 अफ्रीकी प्रवासियों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों पुलिसकर्मियों समेत कई अन्य घायल हो गए। मोरक्को के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कुल 133 प्रवासी शुक्रवार को मोरक्को के नाडोर शहर और मेलिला के बीच की सीमा को पार करने में सफल रहे। पिछले महीने स्पेन और मोरक्को के बीच राजनयिक संबंधों में सुधार के बाद पहली बार इतनी बड़ी संख्या में लोगों के सीमा पार करने की घटना सामने आई है। मेलिला में स्पेन

सरकार के कार्यालय के प्रवक्ता ने कहा कि लगभग 2,000 लोगों ने सीमा पार करने का प्रयास किया, लेकिन कई को स्पेनिश सिविल गार्ड पुलिस और मोरक्को के सुरक्षाबलों ने बाड़ के दोनों ओर रोक दिया। मोरक्को के गृह मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया कि लोहे की बाड़ पर चढ़ने की कोशिश के दौरान भगदड़ मच गई, जिससे पांच प्रवासियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि लगभग 76 प्रवासी और मोरक्को के 140 सुरक्षा अधिकारी घायल हो गए।

स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि घायल प्रवासियों में से 13 की बाद में अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई, जिससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 18 हो गई। हालांकि, मोरक्को के मानवाधिकार संघ ने घटना में 27 लोगों की मौत होने का दावा किया है। वहीं, स्पेन के अधिकारियों ने कहा कि 49 सिविल गार्ड्स को मामूली चोटें आई हैं। उन्होंने बताया कि कुछ प्रवासियों ने पत्थर फेंके, जिससे पुलिस के चार वाहन क्षतिग्रस्त हो गए।

खास खबर

भ्रष्टाचार के आरोप में जम्मू-कश्मीर के 9 अधिकारी बर्खास्त

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर सरकार ने आवास और शहरी विकास विभाग के 9 अधिकारियों को भ्रष्टाचार के आरोप में बर्खास्त कर दिया। विभागीय समितियों द्वारा पुष्टि की गई और अनुच्छेद 226 (2) के तहत नामित समीक्षा समिति द्वारा सही ठहराया गया, जिसमें धन का दुरुपयोग, अभिलेखों का मिथ्याकरण और नकली बिल बनाना, अवैध निर्माण की अनुमति देना, वित्तीय अनियमितताएं करना और विभिन्न शहरी स्थानीय निकायों में उनके कार्यकाल के दौरान अवैध नियुक्तियां करना शामिल है। अधिकांश अधिकारियों को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा जांच का सामना करना पड़ा और उन्हें निलंबित भी कर दिया गया।

बांग्लादेश के सबसे लंबे 'पद्मा' पुल को पीएम शेख हसीना ने जनता को किया समर्पित

ढाका। बांग्लादेश के की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने शनिवार को देश के सबसे लंबे पुल का उद्घाटन करते हुए उसे जनात को समर्पित किया। पुल पूरी तरह से देश के धन से निर्मित हुआ है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पद्मा पुल केवल ईंट और सीमेंट का ढेर नहीं, बल्कि बांग्लादेश के गौरव, क्षमता और शान का प्रतीक है। पद्मा नदी पर बने इस पुल की लंबाई 6.15 किलोमीटर है और यह दक्षिण पश्चिमी बांग्लादेश को राजधानी तथा देश के अन्य भागों से जोड़ता है। इस बहुद्देशीय सड़क-रेल पुल के निर्माण का खर्च, तीन अरब 60 करोड़ डॉलर है, जिसे पूरी तरह बांग्लादेश सरकार ने वहन किया है। हसीना ने पद्मा पुल के निर्माण से जुड़े लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। पद्मा पुल का उद्घाटन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पूरी तरह घरेलू खर्च से निर्मित हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा, मुझे किसी से कोई शिकायत नहीं है लेकिन मुझे लगता है कि जिन्होंने पद्मा पुल की निर्माण योजना का विरोध किया और उसे 'पाइप ड्रीम' बताया, उनके भीतर आत्मविश्वास की कमी थी। मुझे उम्मीद है कि यह पुल उनके अंदर विश्वास पैदा करेगा। उन्होंने कहा, यह पुल केवल ईंट, सीमेंट, लोहे और कंक्रीट का ढेर नहींज यह पुल हमारा गौरव है, यह हमारी क्षमता, शक्ति और शान का प्रतीक है। यह पुल बांग्लादेश के लोगों का है। इस बीच, भारतीय उच्चायोग ने इस परियोजना के पूरा होने पर बांग्लादेश सरकार को बधाई दी।

तबाह हो चुके इलाकों को छोड़कर सुरक्षित ठिकानों की ओर बढ़ रही यूक्रेन की सेना

कीव। कई सप्ताह की भीषण लड़ाई के बाद यूक्रेन की सेना ने देश के पूर्वी हिस्से में तबाह हो चुके इलाकों को छोड़कर अपने गढ़ माने जाने वाले इलाकों की ओर बढ़ना शुरू कर दिया है। यूक्रेन की सेना के एक क्षेत्रीय अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यूक्रेन के लुहांस्क क्षेत्र के प्रशासनिक केंद्र माने जाने वाले सिविएरोदोनेत्स्क शहर पर रूसी सेना की भीषण बमबारी के कारण औद्योगिक शहर के अधिकतर इलाके तबाह हो चुके हैं। रूसी हमले से पहले शहर की आबादी करीब 10 लाख थी, जो अब घटकर मात्र 10 हजार रह गई है। बड़ी संख्या में लोग शहर से पलायन कर चुके हैं। सिविएरोदोनेत्स्क शहर के बाहरी इलाके में बने विशाल अज़ोत रासायनिक कारखाने की ओर लौटने से पहले यूक्रेन के सैनिकों ने रूसी सेना का डटकर मुकाबला किया। यूक्रेन के सैनिकों ने शहर के भूमिगत ठिकानों में रहकर रूसी सेना का मुकाबला किया। इन ठिकानों में करीब 500 आम लोगों ने भी शरण ली हुई थी। हाल के दिनों में यूक्रेनी सेना को घेरने के प्रयास में रूसी सैनिकों ने सिविएरोदोनेत्स्क और पड़ोसी शहर लिसिचन्स्क के अधिकतर इलाकों पर कब्जा कर लिया है। रूस ने पूरे डोनबास क्षेत्र पर कब्जा करने के उद्देश्य से सिविएरोदोनेत्स्क और लिसिचन्स्क शहर को प्रमुख रूप से निशाना बनाया था और इन दोनों ही शहरों पर भीषण हमले हुए। डोनबास के लुहांस्क क्षेत्र का 95 प्रतिशत इलाका रूस के कब्जे में आ चुका है। इसके अलावा, डोनबास के दूसरे प्रांत दोनेत्स्क के आधे हिस्से पर भी रूसी सेना और अलगाववादियों का अधिकार हो चुका है।

मुकेश अंबानी और उनके बेटे अनंत ने असम के मुख्यमंत्री राहत कोष में 25 करोड़ दान किए

गुवाहाटी। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और बिजनेस टाइकून मुकेश अंबानी और उनके बेटे अनंत ने राज्य के बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए असम के मुख्यमंत्री राहत कोष में योगदान दिया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इसकी घोषणा की। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, मुख्यमंत्री राहत कोष में 25 करोड़ रुपये का दान देकर इस महत्वपूर्ण मोड़ पर असम के लोगों के साथ खड़े होने के लिए अंबानी और अनंत अंबानी का हार्दिक आभार। यह हमारे बाढ़ राहत उपायों को बढ़ाने में एक लंबा सफर तय करेगा। कुछ दिनों पहले, गायक सोनू निगम, निर्देशक रोहित शेट्टी और बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर ने सीएम राहत कोष में 5-5 लाख रुपये का योगदान दिया।

न्यूज़ ट्रैक....

अब उदांता , मनवीर और कोलासो आगे आएं: कोच

कोलकाता । भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने कहा है कि टीम को स्टार स्ट्राइकर सुनील छेत्री के बिना ही खेलने की आदत होनी चाहिये। कोच के अनुसार छेत्री 37 साल के हैं और अपने करियर के अंतिम पड़ाव में हैं पर अभी भी भारतीय टीम इसी खिलाड़ी पर निर्भर बनी हुई है। स्टिमक ने कहा कि अब समय आ गया है जब युवा खिलाड़ी जैसे उदांता सिंह, मनवीर सिंह, आशिक कुरूनियान, सहल अब्दुल समद और लिस्टन कोलासो को गोल करना शुरू करना होगा। स्टिमक ने कहा कि अब लिस्टन, मनवीर, उदांता, आशिक और सहल गोल करने के प्रयास करें। उन्होंने कहा, ''इन सभी को गोल करना शुरू करना होगा। हमें सीखना शुरू करना होगा। बिलकुल सरल बात है , खिलाड़ियों को छेत्री के बिना खेलना सीखना यह प्रयास अभी से शुरू करने की जरूरत है। ''
स्टिमक ने कहा कि उदांता और आशिक अग्रिम पंक्ति में टीम के दो मुख्य खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा, ''क्लब में वो भले ही कैसा भी खेलते हों, लेकिन मैं उन्हें भारतीय टीम में तेजी से खेलते हुए देखना चाहूंगा जिससे वे प्रतिद्वंद्वी को नुकसान पहुंचा सकें जो इसलिये मजबूत होते हैं क्योंकि हमारे पास चुनने के लिये खिलाड़ियों का बड़ा पूल नहीं है।''

वॉटसन ने हार्दिक को सराहा

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर शेन वॉटसन ने ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह भविष्य में भारतीय टीम के कप्तान बन सकते हैं। वॉटसन ने कहा कि हार्दिक की नेतृत्व क्षमता आईपीएल में नजर आयी थी। वह सबसे अलग और शांत स्वभाव के थे। उन्होंने मैदान पर बल्लेबाजी या गेंदबाजी करते जो कुछ भी हासिल किया वह उसे खुश दिखे। हार्दिक को लंबे समय बाद वापसी करते हुए एक नई टीम में जाना, नंबर 4 पर बल्लेबाजी करना और अपना कौशल दिखाने का यह अच्छा अवसर मिला था। जिसका उन्होंने पूरा लाभ उठाया। वहीं अगर वह मुम्बई के साथ होते तो इतनी क्षमताएं नहीं दिखा पाते। वॉटसन ने कहा, यह उनके लिए एक अविश्वसनीय अवसर है और भारतीय क्रिकेट के लिए यह जानना एक अविश्वसनीय बात है कि उनके पास एक अच्छा ऑलराउंडर है हालांकि भारत के पास विकल्पों की कमी नहीं है। लोकेश राहुल, ऋषभ पंत और श्रेयस अय्यर भी कप्तानी के दावेदार हैं पर आईपीएल में मैंने देखा कि गुजरात के लिए बतौर कप्तान उन्होंने जो किया वह विशेष है।

विम्बलडन में सेरेना का पहला मुकाबला टैन से होगा

विम्बलडन (ईएमएस)। अमेरिका की महिला टेनिस स्टार सेरेना विलियम्स विम्बलडन टेनिस के पहले मुकाबले में फ्रांस की हार्मनी टैन से खेलेंगी। रिकॉर्ड 23 ग्रैंडस्लैम एकल खिताब विजेता सेरेना एक साल बाद टेनिस कोर्ट में वापसी करेंगी। सेरेना पिछले 12 महीने से किसी टूर्नामेंट में नहीं खेलने के कारण डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष 1,200 से बाहर हैं। उन्होंने इस सप्ताह ही टूर पर वापसी की और इंग्लैंड में तैयारियों के टूर्नामेंट में दो युगल मैच खेले। वह 7 बार विम्बलडन विजेता रही हैं। सेरेना का दूसरा मुकाबला 32वीं वरीय सारा सोरिबेस टोर्मो से हो सकता है जबकि तीसरे दौर में उन्हें छठी वरीय कैरोलिना प्लिस्कोवा से चुनौती मिल सकती है जो पिछले साल उप विजेता रही थीं और इस टूर्नामेंट में गत चैम्पियन एश बार्टी नजर नहीं आयेंगी। बार्टी ने मार्च में अचानक ही खेल को अलविदा कह दिया था।

रणजी फाइनल में एमपी को बढ़त

यश, शुभम के बाद रजत का सैकड़ा, पहली पारी में मध्यप्रदेश का स्कोर 440/6

बेंगलुरू। रणजी ट्रॉफी फाइनल मुकाबले में मध्य प्रदेश की टीम ड्राइविंग सीट पर आ गई है। जैसी उम्मीद की जा रही थी उसने चौथे दिन के पहले सेशन की शानदार शुरुआत की और पहली पारी में 66 रन बढ़त हासिल कर ली। खबर लिखे जाने तक टीम का स्कोर छह विकेट पर 440 पार पहुंच गया है। रजत पाटीदार (101*) ने फस्ट क्लास क्रिकेट करियर का आठवां शतक पूरा किया। जबकि सारांश जैन 4 रन बनाकर उनका साथ दे रहे हैं। जबकि कप्तान आदित्य श्रीवास्तव 25 रन, अक्षत रघुवंशी 9 और पार्थ साहनी 11 के निजी स्कोर पर आउट हुए। तीसरे दिन शुभम शर्मा (116) और यश दुबे (133) ने शतक जमाए थे। अगर यह मैच ड्रॉ होता है तो विजेता का फैसला पहली पारी की बढ़त पर ही होगा। मप्र ने

चौथे दिन की शुरुआत 368/3 के स्कोर से की। रजत ने 67 और आदित्य ने 25 से पारी की शुरुआत की है।

मुंबई पहली पारी में 374 रन पर आउट

दूसरा दिन मुंबई के नाम रहा। उसकी ओर से सरफराज खान ने शतक जमाते हुए अपनी टीम का स्कोर 374 रन पहुंचाया। सरफराज खान ने 134 रन की पारी खेली। उन्होंने अपनी शतकीय पारी में 243 गेंदों का सामना किया और 13 चौके और 2 छक्के लगाए।

24 साल के सरफराज ने अपने फर्स्ट क्लास करियर का आठवां शतक जमाया है। पिछली 14 रणजी पारियों में सरफराज एक तिहरा शतक, दो दोहरे शतक, चार शतक और तीन अर्धशतक लगा चुके हैं।

गौरव को चार, अनुभव को दो विकेट

दूसरे दिन मध्यप्रदेश के गेंदबाजों ने भी दबाव बनाए रखा। उन्होंने सरफराज को खुलकर नहीं खेलने दिया। गौरव यादव ने चार, अनुभव अग्रवाल ने तीन, सारांश जैन ने दो और कुमार कार्तिकेय ने एक विकेट लिया।

मुंबई की अच्छी शुरुआत के बाद स्कने वापसी की थी

मैच में पृथ्वी शॉ और यशस्वी जायसवाल ने मुंबई को अच्छी शुरुआत दी। इन दोनों ने पहले विकेट की साझेदारी में 87 रन जोड़े। शॉ 79 बॉल पर 5 चौके और एक छक्का जमाने के बाद मीडियम पेसर अनुभव अग्रवाल की गेंद पर बोल्ड हो गए। इसके बाद जायसवाल ने अरमान जाफर के साथ मिलकर मुंबई को 100 रन के पार पहुंचाया। मुंबई का दूसरा विकेट 120 रन के स्कोर पर गिरा, जब जाफर 56 गेंदों पर 26 रन बनाकर IPL स्टार लेफ्ट आर्म स्पिनर कुमार कार्तिकेय की गेंद पर यश दुबे को कैच थमा बैठे। शाम होते-होते मुंबई ने पांच विकेट गंवा दिए थे।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम दूसरे टी20 में भी श्रीलंका पर जीत के इरादे से उतरेगी

दांबुला । भारतीय महिला क्रिकेट टीम शनिवार को यहां दूसरे टी20 मैच में श्रीलंकाई टीम पर जीत के इरादे से उतरेगी। तीन मैचों की इस सीरीज में 1-0 से आगे चल रही भारतीय टीम इस मैच को भी जीतकर इस सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करना चाहेगी। भारतीय टीम ने सीरीज के पहले ही मैच में मेजबान श्रीलंकाई महिला टीम को 34 रनों से हराया था। भारतीय टीम इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर आगामी राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भी अपनी तैयारियों को बेहतर करना चाहेगी।

बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेल 28 जुलाई से आठ अगस्त के बीच होंगे। इन खेलों में पहली बार महिला क्रिकेट को टी20 प्रारूप में शामिल किया गया है। भारतीय टीम पहली पारी में जीत के बाद भी बल्लेबाजी के अच्छा स्कोर नहीं कर पायी थी। उसे गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से जीत मिली थी। ऐसे में अब भारतीय टीम को अपनी बल्लेबाजी बेहतर करनी होगी। भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के पास इस मैच में सबसे छोटे प्रारूप में सबसे अधिक रनों के पूर्व कप्तान मिताली राज के रिकॉर्ड को तोड़ने का अच्छा अवसर है। जिसके लिए उन्हें 24 रन की जरूरत है। हाल ही में खेल को अलविदा कहने वाली मिताली के नाम 89 मैचों में 2364 रन हैं।

इसके अलावा उपकप्तान स्मृति मंधाना और मेघना को भी रन बनाने होंगे जिससे भारतीय टीम बड़ा स्कोर बना सके। पिछले मैच में जेमिमा रॉड्रिग्स और दीप्ति शर्मा ने अच्छा प्रदर्शन किया था जिसे वह जारी रखना चाहेंगी। भारतीय गेंदबाजों राधा यादव , दीप्ति शर्मा के अलावा शेफाली वर्मा ने भी पिछले मैच में अच्छा प्रदर्शन कर मेजबानों को खुलकर खेलने का कोई अवसर नहीं दिया था। वहीं दूसरी ओर मेजबान श्रीलंकाई टीम भी इस मैच में जीत दर्ज करने का पूरा प्रयास करेगी। उसे घरेलू मैदान पर अपने बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। पहले मैच में उसके मध्यक्रम की बल्लेबाज कविशा दिलहारी ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए नाबाद 47 रन बनाये थे। इसके अलावा कप्तान चामरी अटापट्टू, विशमी गुणरत्ने, हर्षिता मडावी और निलाक्षी डी सिल्वा भी बेहतर बल्लेबाजी के इरादे से उतरेंगी। जहां तक गेंदबाजी की बात है। उसके पास इनोका रणवीरा , ओशादी रणसिंघे जैसी स्पिन जोड़ी है जिससे पिछले मैच में भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगा दिया था।

रणजी ओर काउंटी क्रिकेट से ही राष्ट्रीय टीम में वापसी कर पाया : पुजारा

लंदन । भारतीय टीम के टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने कहा कि रणजी ट्रॉफी और काउंटी चैंपियनशिप में अच्छे प्रदर्शन के कारण ही उन्हें अपना फार्म वापस मिला है। जिसके बल पर ही वह राष्ट्रीय टीम में वापसी करने में सफल रहे हैं। पुजारा को इस साल की शुरूआत में खराब प्रदर्शन के कारण श्रीलंका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के लिये जगह नहीं मिली थी। इसके बाद काउंटी टीम ससेक्स की ओर से पांच मैचों में 720 रन बनाने के बाद उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिये फिर से राष्ट्रीय टीम में जगह मिल गयी है।

पुजारा ने इससे पहले रणजी ट्रॉफी में मुंबई के खिलाफ 83 गेंदों में 91 रनों की पारी खेली थी। उन्होंने दूसरी डिवीजन की काउंटी चैंपियनशिप में ससेक्स के लिये दो दोहरे शतकों सहित चार शतक लगाये। पुजारा ने कहा, ''मेरे लिये यह अधिक से अधिक प्रथम श्रेणी मैचों में खेलने से जुड़ा था। यह अनुभव अहम था। जब आप फॉर्म में वापसी करना चाहते हैं, जब आप अपनी लय हासिल करना चाहते हैं, जब आपके पास वह एकाग्रता हो तो कुछ लंबी पारियां खेलना अहम होता है।''

उन्होंने कहा, ''इसलिए, जब मैं ससेक्स के लिये खेल रहा था तो ऐसा कर सकता था. जब मैंने डर्बीशर के खिलाफ अपनी पहली बड़ी पारी खेली तब मुझे लगा कि मैंने अपनी लय हासिल कर ली है. मेरी एकाग्रता और सब कुछ ठीक चल रहा था।'' पुजारा ने कहा कि उन्हें काउंटी मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने का भरोसा था, क्योंकि वह रणजी ट्रॉफी में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे।

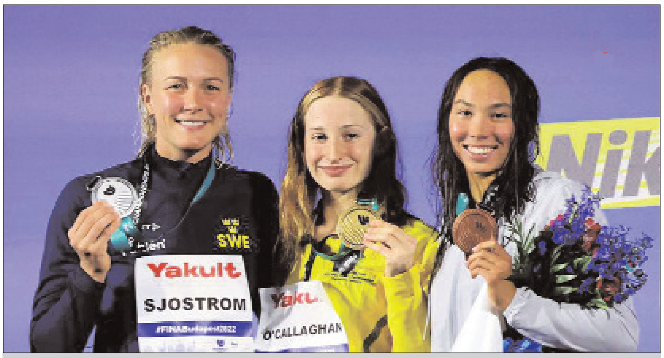

ुडापेस्ट में फिना तैराकी स्पर्धा की विजेता खिलाड़ी मौली, सराह और टोरी एकसाथ नजर आयीं।

व्यापार न्यूज

आरबीआई ने आईओबी पर लगाया जुर्माना

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) पर 57.5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने बताया कि यह कार्रवाई कुछ मानदंडों तथा धोखाधड़ी से संबंधित नियमों का अनुपालन नहीं करने को लेकर की गई है। आरबीआई के अनुसार मार्च 2020 के आ?खिरी में अपनी वित्तीय स्थिति के संदर्भ में बैंक के वैधानिक निरीक्षण और रिपोर्टों की जांच के आधार पर यह जुर्माना लगाया गया है। केंद्रीय बैंक ने बताया कि आईओबी पता लगाने की तारीख से तीन सप्ताह के भीतर, एटीएम कार्ड क्लोनिंग या स्किमिंग से जुड़े धोखाधड़ी के कुछ मामलों की जानकारी देने में विफल रहा था।

यूरोपीय संघ के साथ जुड़ने की कोशिश करे भारत: बेरी

नई दिल्ली । नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने कहा कि यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ व्यापार वार्ता सफल होने पर भारत को यूरोपीय आपूर्ति श्रृंखलाओं में गहराई से जुड़ने की को?शिश करनी चा?हिए। बेरी ने भारत एवं भूटान में यूरोपीय संघ के राजदूत यूगो एस्तुतो के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के बाद यह बयान दिया। इस दौरान व्यापार वार्ताओं और इलेक्ट्रिक परिवहन व्यवस्था जैसे विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई।बेरी ने अपने कई ट्वीट में ईयू के साथ व्यापार वार्ताओं के सफल होने की संभावना जताते हुए कहा कि भारत को यूरोपीय देशों की आपूर्ति श्रृंखलाओं से गहराई से जुड़ने की कोशिश करनी चाहिए। इसके साथ ही भारत को चीन के विकल्प के तौर पर भी खुद को पेश करना चाहिए।पिछले हफ्ते भारत एवं यूरोपीय संघ ने लंबे समय से लंबित व्यापार एवं निवेश समझौते पर द्विपक्षीय वार्ता आठ साल के लंबे इंतजार के बाद फिर से शुरू की। वर्ष 2013 में इस समझौते पर बातचीत रोक दी गई थी।

डिश टीवी के प्रबंध निदेशक ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली । डिश टीवी के प्रबंध निदेशक जवाहर गोयल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। कंपनी के शेयरधारकों की असाधारण आम बैठक (ईजीएम) में उन्हें फिर से नियुक्त करने का प्रस्ताव खारिज होने बाद वह पद से हट गए हैं। डायरेक्ट-टू-होम (डीटीएच) सेवा प्रदान करने वाली कंपनी ने शेयर बाजार को भेजी सूचना में यह जानकारी दी। कंपनी ने बताया कि प्रबंध निदेशक के रूप में जवाहर लाल गोयल की फिर से नियुक्ति के प्रस्ताव को 24 जून, 2022 को आयोजित ईजीएम में अपेक्षित बहुमत नहीं मिला है। नियामकीय सूचना के अनुसार, गोयल कंपनी के निदेशक मंडल में गैर-कार्यकारी निदेशक बने रहेंगे।

फोर्ड ने जुलाई आखिर तक तमिलनाडु कारखाने में उत्पादन बढ़ाया

चेन्नई । प्रमुख वाहन कंपनी फोर्ड ने अपने उत्पादन को जुलाई के आखिर तक बढ़ा दिया है। यह पहले जून के आखिरी तक ही था। उत्पादन समयसीमा बढ़ाने का कारण कंपनी उन कर्मचारियों के साथ चर्चा जारी रखे हुए है जो कंपनी छोड़ने के एवज में दिए जाने वाले पैकेज का विरोध कर रहे हैं। शहर के बाहरी इलाके में स्थित मराईमलाई नगर में स्थित कारखाने में प्रबंधन द्वारा दिए गए मुआवजे को लेकर 30 मई से श्रमिक विरोध कर रहे हैं। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी को कर्मचारियों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। इसमें बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने कंपनी से अलग होने के लिए दिये जाने वाले पैकेज प्रस्ताव पर बातचीत के साथ-साथ उत्पादन का समर्थन करने को लेकर सहमति व्यक्त की। अधिकारी ने कहा कि 50 प्रतिशत से अधिक स्थायी कर्मचारी 14 जून से उत्पादन का समर्थन कर रहे हैं और कंपनी ने जुलाई 2022 के आख्रिरी तक उत्पादन बढ़ाने का फैसला किया है। जुलाई में उत्पादन का समर्थन जारी रखने वाले सभी कर्मचारियों को वेतन सुरक्षा मिलेगी।

साप्ताहिक समीक्षा बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में दो फीसदी से ज्यादा रही तेजी

मुंबई । पिछले दो सप्ताह की गिरावट के बाद सेंसेक्स और निफ्टी साप्ताहिक आधार पर लाभ में रहे। साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स 2.66 प्रतिशत चढ़ा। इससे पहले लगातार दो सप्ताह इसमें गिरावट रही थी। एनएसई निफ्टी में भी 2.64 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। बाजार के जानकारों का कहना है कि ऑटो, बैंकिंग और एनर्जी कंपनियों के शेयरों में भारी लिवाली से बाजार को समर्थन मिला। पिछले सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स 253.69 अंक की तेजी के साथ 51,614.11 पर खुला और 237.42 अंक की बढ़त के साथ 51,597.84 अंक पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 94.75 अंकों की गिरावट के साथ 15,198.75 पर खुला और 288.65 अंक बढ़त लेकर 15,638.80 अंक पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 438.48 अंक की बढ़त के साथ 52,036.32 पर खुला और 934.23 अंक चढ़कर 52,532.07 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 139.35 अंक चढ़कर 15,489.50 पर खुला और 288.65 अंक ब?त लेकर 15,638.80 अंक पर बंद हुआ।

धवार को सेंसेक्स 418.07 अंक गिरकर 52,114 पर खुला और 709.54 अंक की गिरावट के साथ 51,822.53 पर बंद हुआ। निफ्टी 131.1 अंक गिरकर 15,507.70 पर खुला और 225.50 अंक गिरकर 15,413.30 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 238.73 अंक की बढ़त के साथ 52,061.26 पर खुला और 443.19 अंक की बढ़त के साथ 52,265.72 पर बंद हुआ। जबकि एनएसई निफ्टी 78.1 अंक बढ़कर 15,491.40 पर खुला और 143.35 अंक च?कर 15,556.65 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 644.15 अंक की बढ़त के साथ 52,909.87 पर खुला और 462.26 अंक की उछाल के साथ 52,727.98 पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 192.6 अंक चढ़कर 15,749.25 पर खुला और 142.60 अंक की मजबूती के साथ 15,699.25 पर बंद हुआ।

आरबीआई ने टोकन व्यवस्था की तारीख 30 सितंबर तक ब्रढ़ाई

मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कार्ड-ऑन-फाइल' (सीओडी) टोकन व्यवस्था की तारीख को बढ़ाकर 30 सितंबर, 2022 कर दिया है। पहले यह तारीख 30 जून, 2022 थी। उद्योग निकायों से प्राप्त विभिन्न प्रतिवेदन को देखते हुए केंद्रीय बैंक ने यह निर्णय किया है। पहले भुगतान के लिए इस्तेमाल किए जा रहे कार्ड का ब्योरा भुगतान प्रणाली एवं प्रतिष्ठान के पास सुरक्षित रख लिया जाता था ताकि भावी लेनदेन के समय इस ब्योरे का इस्तेमाल किया जा सके। लेकिन इससे कार्ड उपभोक्ताओं का ब्योरा असुरक्षित हाथों में जाने की आशंका रहती थी। इसी पर रोक लगाने के लिए आरबीआई ने कार्ड-ऑन-फाइल (सीओएफ) टोकन व्यवस्था लागू करने को कहा है। केंद्रीय बैंक ने एक अधिसूचना में कहा कि उद्योग ने व्यवस्था को लागू करने को लेकर कुछ समस्याएं बताई है। आरबीआई ने कहा कि इन मुद्दों को हितधारकों के परामर्श से निपटाया जा रहा है और कार्डधारकों को व्यवधान और असुविधा से बचाने के लिए टोकन व्यवस्था की समय सीमा को 30 जून से बढ़ाकर 30 सितंबर कर दिया गया है।

जोमेटो के बोर्ड ने ब्लिंकइट खरीदने की दी मंजूरी

मुंबई । ऑनलाइन खानपान उत्पाद आपूर्तिकर्ता जोमैटो 4,447.48 करो? रुपए में ब्लिंकइट कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में ग्रोफर्स) का अधिग्रहण करने की योजना बना रही है। जोमैटो ने शेयर बाजार को भेजी गई सूचना में कहा कि यह सौदा शेयरों की अदला-बदली व्यवस्था के तहत किया किया जाएगा। कंपनी के निदेशक मंडल ने शुक्रवार को हुई बैठक में ब्लिंकइट कॉमर्स के शेयरधारकों से 13.45 लाख रुपए प्रति इक्विटी शेयर की कीमत पर 33,018 शेयरों के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी। इस प्रकार यह सौदा 4,447.48 करोड़ रुपए का है। इस सौदे के तहत जोमैटो के एक रुपए अंकित मूल्य के 62.85 करोड़ पूर्ण चुकता इक्विटी शेयर 70.76 रुपए प्रति इक्विटी के भाव पर जारी किए जाएंगे। जोमैटो ने कहा ?कि यह अधिग्रहण सामान की फौरन आपूर्ति करने वाले कारोबार में निवेश करने की हमारी रणनीति के अनुरूप है। ब्लिंकइट के प्रस्तावित अधिग्रहण को लेकर शेयरधारकों को लिखे एक पत्र में जोमैटो के एक व?रिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सामान की फौरन आपूर्ति करने वाला कारोबार पिछले एक साल से हमारी रणनीति में प्राथमिकता वाला क्षेत्र रहा है। उन्होंने कहा कि हमने इस क्षेत्र को भारत और वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ते हुए देखा है। ग्राहकों के लिए किराने और अन्य आवश्यक वस्तुओं की फौरन डिलीवरी बहुत मायने रखने लगी है। यह कारोबार हमारे मुख्य खाद्य व्यवसाय के साथ भी मिलता-जुलता है, जो कंपनी को लंबी अवधि में आगे ब?ने का समर्थन करता है। इससे पहले मार्च, 2022 में जोमैटो के निदेशक मंडल ने ब्लिंकइट को 15 करोड़ डॉलर तक का कर्ज देने की मंजूरी दी थी। पिछले साल कंपनी ने ग्रोफर्स (पूर्व नाम) में करीब नौ प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए 10 करोड़ डॉलर (745 करोड़ रुपए) का निवेश भी किया था।

वैज्ञानिक होमी जहांगीर भाभा का किरदार निभायेंगे सैफ अली खान

बॉलीवुड के छोटे नवाब सैफ अली खान सिल्वर स्क्रीन पर भारत के सबसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों में शामिल होमी जहांगीर भाभा का किरदार निभाते नजर आ सकते हैं। होमी जहांगीर भाभा के जीवन पर

एक फिल्म बनायी जा रही है। होमी जहांगीर भाभा परमाणु वैज्ञानिक थे, जिन्होंने भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम की कल्पना की थी। बताया जा रहा है कि फिल्म में होमी जहांगीर भाभा की भूमिका सैफ अली खान निभाते नजर आ सकते हैं। रिलायंस एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनायी जा रही इस फिल्म का टाइटल 'एसेसिनेशन ऑफ होमी भाभा' दिया गया है। होमी जहांगीर भाभा की मौत कथित विमान दुर्घटना में हुई थी, लेकिन इस हादसे का सच कभी सामने नहीं आया। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि फिल्म में भाभा की जिंदगी से जुड़ी कई रहस्यमयी घटनाओं से पर्दा उठ सकता है। रिलायंस एंटरटेनमेंट की यह फिल्म काफी बड़े स्तर पर बनने वाली है। यदि सब प्लान के मुताबिक रहा तो फिल्म 2022 की शुरुआत में फ्लोर पर आ जाएगी।

अक्सर हम जिसे अपनाते हैं वह बदल जाता है, इसलिए वही करिए जिससे आपको खुशी मिले: श्रुती हसन

श्रुति हसन सोशल मीडिया पर अपने गॉथिक लुक और मेकअप को लेकर खूब लाइम लाइट बटोरती हैं। उन्होंने कहा कि एक एक्टर होने के नाते दूसरों से जुड़ने के लिए मैं अपने लुक्स के साथ एक्सपेरीमेंट करना बंद नहीं कर सकती। अभिनेत्री, जो एक म्यूजिसियन भी है, उन्होंने कहा, मुझे लेटल और असर्टनेटिव कल्चर, ग्राफिक उपन्यास और गॉथिक साहित्य पसंद है, यह सब मुझे नेचुरल एक्सप्रेशन की तरह लगते हैं।

अक्षय कुमार की बेल बॉटम को लेकर मेकर्स ने जारी किया बयान

दोस्तों बीते दिनों खबर आई थी कि बॉलीवुड के अभिनेता अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म बेल बॉटम जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली है। खबरों में ऐसा कहा जा रहा था कि मेकर्स ये डिसाइड कर रहे हैं कि फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज की जाएगी। जिसके लिए मेकर्स तैयारी कर रहे हैं और कई ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इसकी डील के लिए बात भी कर रहे हैं। हालांकि अब मेकर्स ने एक अधिकारी बयान जारी करते हुए इन सभी खबरों को खारिज कर दिया है।

जी हां आपकी जानकारी के लिए बता दें कि हाल ही में एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया कि, पूजा एंटरटेनमेंट मीडिया के सेक्शन द्वारा बेल बॉटम को लेकर लगाए जा रहे हैं अनुमान को खारिज करता है। फिल्म बेल बॉटम को लेकर कोई भी निर्णय पूजा एंटरटेनमेंट सही समय आने पर लेगा। पूजा एंटरटेनमेंट के अलावा किसी को भी किसी भी प्रकार का फिल्म को लेकर कोई भी वक्तव्य जारी करने का अधिकार नहीं है। सोशल मीडिया पर पूजा एंटरटेनमेंट के द्वारा जारी किए गए इस बयान को आप यहां पर देख सकते हैं।

अगर हम बात करें अक्षय कुमार की फिल्म बेल बॉटम की तो इसकी शूटिंग पूरी हो गई है। फिल्म में मुख्य किरदार के रूप में अक्षय कुमार के अलावा हुमा कुरैशी और लारा दत्ता जैसे कलाकार नजर आएंगे।

अपने प्रियजनों को पहले से कहीं ज्यादा करीब रखें: माधुरी

अभिनेत्री माधुरी दीक्षित नेने ने कहा है कि इस संकट के समय में अपने प्रियजनों के और अधिक करीब रहने की जरूरत है। माधुरी ने एक नई पोस्ट में यह बात कही, जो उन्होंने मंगलवार शाम को साझा की। माधुरी ने तस्वीर साझा करते हुए उसके साथ लिखा, अपने प्रियजनों को पहले से कहीं ज्यादा करीब रखें। इस तस्वीर में वह अपने पति श्रीराम नेने के साथ दिखाई दे रहीं हैं, जिन्हें मुस्कुराते हुए देखा जा सकता है। फोटो देखने से प्रतीत हो रहा है कि यह विदेश का है, जिसमें माधुरी एक काले रंग की फुल-स्लीव टॉप में दिख रहीं हैं। उन्होंने अपने बालों को खुला रखा है और वह चश्मे और स्नीकर्स के साथ कैजुअल लुक में काफी खूबसूरत दिखाई दे रहीं हैं। उनके पति नेने सफेद शर्ट और शॉर्ट्स के साथ मोजे और स्नीकर्स के साथ गहरे नीले रंग का पुलओवर पहने दिख रहे हैं। इस पोस्ट पर सबसे पहले प्रतिक्रिया करने वाले अर्जुन बिजलानी थे, जिन्होंने युगल को क्यूट यानी प्यारा बताया। माधुरी अगली बार वेब सीरीज फाइंडिंग अनामिका में नजर आएंगी। वह एक सुपरस्टार की भूमिका निभा रहीं हैं, जो लापता हो जाता है।

अभिनेता के बाद अब प्रोड्यूसर बने शाहिद कपूर, करेंगे पीरियड ड्रामा फिल्म

बॉलीवुड के अभिनेता शाहिद कपूर आने वाले दिनों में कई फिल्मों में नजर आने वाले हैं। जिसमें उनकी जर्सी जैसी फिल्में शामिल है। जर्सी फिल्म की शूटिंग अभिनेता शाहिद कपूर ने पूरी कर ली है। इन दिनों प्री प्रोडक्शन का काम चल रहा है। ये साउथ फिल्म जर्सी की हिंदी रीमेक है। इसके अलावा अभिनेता शाहिद कपूर के पास आने वाले दिनों में कई सारे प्रोजेक्ट पाइप लाइन में है। शाहिद ने कई फिल्मों ने कई फिल्मों की शूटिंग पूरी कर ली है। हालांकि कुछ फिल्मों की शूटिंग कोरोना की वजह से लटकी हुई है। अब इसी बीच खबर सामने आ रही है कि अभिनेता शाहिद कपूर प्रोड्यूसर बनने जा रहे हैं। वो जल्द ही एक फिल्म को प्रोड्यूस करेंगे। जिसमें वो बतौर हीरो भी नजर आने वाले हैं। खबरों के अनुसार ऐसा कहा जा रहा है कि, शाहिद कपूर की फिल्म मशहूर लेखक अमीश त्रिपाठी के एक उपन्यास पर आधारित होगी। जिसके लिए अभिनेता शाहिद कपूर को 70 से 80 करोड़ रुपए दिए गए हैं। ये एक पौराणिक फिल्म है जिसमें शाहिद कपूर ना केवल हीरो बनेंगे बल्कि प्रोड्यूस भी करेंगे। हालांकि अब शाहिद कपूर अमीश त्रिपाठी त्रिपाठी के उपन्यास पर आधारित फिल्म का निर्माण करेंगे। खबरों में कहा जा रहा है कि शाहिद कपूर की फिल्म बाहुबली की तरह ही पीरियड ड्रामा होने वाली है। जो ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज की जाएगी।

हर बार बालों का झड़ना सामान्य नहीं होता, समस्या को नजरअंदाज न करें

बालों का झड़ना आजकल बहुत कॉमन समस्या है. कुछ लोगों के तो बाल इतने ज्यादा झड़ते हैं कि कम उम्र में ही गंजापन होने लगता है. आमतौर पर बाल झड़ने की वजह प्रदूषण, गंदा पानी, जलवायु परिवर्तन, शरीर में पोषक तत्वों की कमी और नींद की कमी को माना जाता है. लेकिन इसके अलावा बालों के झड़ने की अन्य वजह भी हो सकती हैं, जिनसे शायद आप अनजान हों. इसलिए अगर आपके बाल रोजाना बहुत ज्यादा मात्रा में टूटते हैं तो इसे नजरअंदाज न करें.

1. आजकल महिलाओं में हार्मोनल असंतुलन की समस्या भी सामान्य है. इसकी वजह से उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है. ज्यादा बालों का झड़ना हार्मोनल असंतुलन का संकेत हो सकता है. हैं. एस्ट्रोजन, टेस्टोस्टेरोन, डीएचईए हार्मोन का असंतुलन बालों पर असर डालता है.
2. डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, हार्ट प्रॉब्लम, और आर्थराइटिस जैसी बीमारियों में भी बाल झड़ने की समस्या होती है. इसके अलावा कई बार सर्जरी के बाद या कुछ विशेष दवाओं के प्रभाव से भी बहुत ज्यादा बाल झड़ते हैं.
3. ऑटोइम्यून डिसऑर्डर एलोपेसिया की वजह से भी बालों के गंभीर रूप से झड़ने की समस्या सामने आती है. इसकी वजह से कई बार स्कैल्प में जगह-जगह पर गंजापन होने लगता है. आमतौर पर लोग इसे अनदेखा कर देते हैं, जोकि उन्हें मुश्किल में डाल सकता है.
4. जो लोग एंटी-डिप्रेसेंट, खून को पतला करने वाली और बर्थ कंट्रोल वाली मेडिसिन लेते हैं, उन्हें भी इसके साइड इफेक्ट के रूप में बाल झड़ने की समस्या झेलना पड़ जाती है.
5. जो लोग अक्सर तनाव में रहते हैं, उनकी मेंटल कंडीशन का असर भी सीधे उनके बालों के फॉलिकल्स पर पड़ता है. ज्यादा तनाव से भी बालों के झड़ने की समस्या हो सकती है.
6. अल्कोहल और स्मोकिंग की आदत न सिर्फ आपके शरीर को बर्बाद करती है, बल्कि आपके बालों को भी नुकसान पहुंचाती है. जो लोग इसके आदी होते हैं, उनमें कई बार बाल झड़ने की समस्या देखने को मिलती है.
7. महिलाओं में टाइट हेयरस्टाइल बनाने की वजह से भी बालों को नुकसान पहुंचता है।

कश्मीर अब पूरी तरह हमारा है...

जम्मू कश्मीर को देश के संविधान के दायरे में लाने सबसे पहले आवाज उठाने वाले महान विचारक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के संदर्भ में यह उद्घोष उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है कि शहीद हुए थे जहां मुखर्जी वह कश्मीर अब पूरी तरह हमारा है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का यह प्रण आजादी के 7 दशक बीत जाने के बाद तब पूरा हुआ जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने अगस्त 2019 में संसद में संविधान के अनुच्छेद 370 एवं 35-ए को खत्म करने का अध्यादेश पारित कराया। इसके बाद ही जम्मू कश्मीर सच्चे अर्थों में भारत का अभिन्न अंग बना। साज़िश के तहत जिन शर्तों और नियमों के साथ जम्मू कश्मीर को भारत में शामिल किया गया था, उसके विरुद्ध डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी शुरु से ही मुखर थे। उन्होंने जम्मू कश्मीर जाकर अपना विरोध दर्ज कराया। लेकिन दुर्भाग्य से उनके जीवन काल में उनका स्वप्न साकार नहीं हो सका। रहस्यमय परिस्थितियों में 23 जून 1953 को उनका निधन हो गया। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी देश की अखंडता के लिए बलिदान देने वाले पहले व्यक्ति थे। डॉ मुखर्जी का सपना सच होने के बाद जम्मू कश्मीर के हालात में आया क्रांतिकारी परिवर्तन इस सत्य का प्रमाण है कि यदि तब देश को कश्मीर से अलग थलग करने वाली शर्तें लागू न की गई होतीं तो परिस्थिति वह नहीं होती, जो सत्तर साल के दौरान सामने आई। लेकिनअब जम्मू कश्मीर का विकास संभव हो गया है। केंद्र की भाजपा सरकार ने विकास की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। चालू वित्त वर्ष के बजट में केंद्र सरकार ने धरती के स्वर्ग को संवारने पुख्ता इंतजाम किया है। केवल कश्मीर ही नहीं, आज हम जो बंगाल देख रहे हैं, वह भी डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने ही गढ़ा है। यदि उन्होंने बंगाल के विभाजन का पक्ष न रखा होता तो पूरा बंगाल ही भारत के हाथ से निकल गया होता। भारत विभाजन की त्रासदी के शिकार हुए लाखों शरणार्थियों की सेवा के लिए डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने मिसाल कायम की, वह अद्वितीय है। तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू की नीतियों के विरोध में उद्योग मंत्री का पद त्याग देने वाले डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने देश को वह उद्योग नीति दी, जिससे औद्योगिक विकास हो सका। यदि कांग्रेस और नेहरू ने डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के विचारों की गंभीरता को देशहित में स्वीकार किया होता तो भारत सत्तर साल तक वैश्विक अर्थव्यवस्था में उपेक्षित नहीं रहता। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी भाजपा की हर सांस में बसे हैं। जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. मुखर्जी ने कलकत्ता विश्वविद्यालय का प्रतीक चिन्ह बदलकर कमल पुष्प रखा था। भारतीय जनता पार्टी का प्रतीक चिन्ह कमल है जो उनके विचारों और आदर्शों पर चलने की प्रेरणा देता है। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने कांग्रेस के विरुद्ध राष्ट्रवादी विकल्प का संकल्प लिया था, जिसे भारतीय जनता पार्टी ने पूर्ण कर दिया है। नेहरू और कांग्रेस ने देश पर जो नीतियां थोपीं, उनसे गुलामी की बदबू आ रही थी। देश इन बेड़ियों को तोड़ने कसमसा रहा था। अवसर मिला तो अटलबिहारी वाजपेयी जी ने डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रवाद और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के पथ पर संचलन करते हुए देश को नई दिशा दी। उनके बाद कांग्रेस के दस साल में फिर देश जहां का तहां पहुंच गया तो भारत का गौरव बढ़ाने का जनादेश मां भारती के फौलादी सुपुत्र नरेंद्र मोदी को मिला। तब से अब तक आठ साल में भारत विश्व की महाशक्तियों के बीच सम्मान पा रहा है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कांग्रेस के विरुद्ध जिस राष्ट्रवादी विकल्प का सपना देखा था, वह कांग्रेस ही नहीं वैश्विक परिदृश्य में भी साकार हो गया है।

दुनिया में बढता नशे का कहर, नशा है एक धीमा जहर?

नरेन्द्र भारती

(अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस)

बेशक प्रतिवर्ष की तरह 26 जून 2022 को पूरी दुनिया में अंतराष्टरीय नशा निषेध दिवस मनाया जा रहा है मगर हर साल औपचारिकताएं ही निभाई जाती है।संकल्प लिये जाते हैं दावे किए जाते है।अंतराष्टरीय स्तर पर नीतियां बनाई जाती है। मगर धरातल पर कुछ नहीं होता।नशे के सेवन को रोकने के लिए यह दिवस मनाया जाता है।नशा एक धीमा जहर है। दुनिया के देशों में नशा करने वालों की मृत्यु दर भी बढती जा रही है।तमाम दावों के बावजूद नशा नहीं रुक रहर है। प्रतिवर्ष लाखों लोग दुनिया में नशें के कारण अकाल मौत मर रहे है। पूरी दुनिया के देशों में जागरुकता अभियान चलाए जाते है।सैमीनार लगाए जाते है।नशे के दुष्परिणामों के बारे में विशेषज्ञों द्वारा लोगों को सलाह दी जाती है।एक दिन ऐसे दिवस मनाने से कुछ नहीं होगा। देशों की एकजुटता से ही नशे को रोका जा सकता है।दुनिया में नशीले पदार्थो की तस्करी की खबरे समाचार पत्रों में प्रकाशित होती है।नशीली दवाएं पकड़ी जाती है। आज कोकीन,अफीम, गांजा ,हैरोईन व हशीश व ब्राउन शुगर तथा चरस व भांग जैसे नशे किए जा रहे है। आज बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक नशे के गुलाम बन चुके है।नशा आज स्टेटस सिबंल बन चुका है।कैसी विडंबना है कि मानव को नशे से होने वाली बीमारियों का पता है फिर भी खुद ही मौत को दावत दी जाती है।पुरुष तो नशा करते ही है मगर आज महिलाए भी नशें की गिरफत में आ चुकी है।दर्जनों प्रकार के नशों को करती है।दुनिया में नशा करने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि बहुत ही चिंताजनक है।नशा छुड़ानें के लिए नशा मुक्ती केन्द्र खोले जा रहे है। बीते 31 मई 2022 को विश्व धूम्रपान निषेध दिवस मनाया गया मगर ऐसे दिवस औपचारिकता भर ही रह गए है।युवा पीढ़ी नशें की गुलाम हो चुकी है।दुनिया भर के युवा नशे की अंधी गलियों में भटक चुके है। युवाओं को बाहर निकालना हरेक का नैतिक कर्तव्य है।दुनिया में हर साल लाखों युवा नशे के कारण असमय ही मौत के आगोश में समाते जा रहे है।नशा निषेध दिवस पर एक संकल्प लेना होगा। नशेडी होती जा रहे युवा नशे की सब कुछ मान बैठे है।आज छोटे-छोटे बच्चे नशे के आदी हो चुके है।अभी उनके दूध के दांत भी नही। टूटे है कि मगर ऐसे नशे करते है कि रुह कापती है।आजकज चिटटे व डोडे व भुककी व बूट पालिस व गंदे से गंदा नशा किया जा रहा है।शराब व दवाओं का नशा किया जा रहा है।हर रोज चिटटे व हैरोइन के अवैध कारोबार करने वालों कों पकड़ा जा रहा है।नशा आज एक फैशन बन चुका है।नशें के कारण आज कई घरों के चिराग बूझ गए तो कुछ जेलों में चक्की पीस रहें है।जेलों में सड़ रहे है।अक्सर देखा गया है कि उच्च घरानों के युवा मंहगें नशें कर रहे है।नशें के बिना रह नहीं सकते ।जिंदगियां दाव पर लगा चुके है।जिंदा लाशें बनते जा रहे है।लाईलाज बीमारियों से ग्रस्त होते जा रहे है।आज लाखों युवा नशें के कारण मर चुके है।नशें की दलदल में धसतें जा रहे है।इस दलदल से निकला बहुत ही मुशिकल है।आज मां-बाप दुखी है कि उनके चिराग नशें की गिरफत में आते जा रहे है।आज नशे के सौदागर युवाओं के भविष्य खराब करते जा रहे है।अगर युवा ही नशें का प्रयोग करेगा तो आने वाला कल अंधकारमय ही होगा।युवा के कंधों पर देश टिका है मगर यह कंधें थक चुके है।नसों में नशा भर चुका है।जवान काया शिथिल होती जा रही है।नशे के कारण सड़क हादसों में हर साल लाखों युवा बेमौत मारे जा रहे है।सरकारों को राजस्व प्राप्त होता है।सरकारों को कर्णधारों की कोई फिक्र नहीं हैं।राजस्व से ही खजाना भरा जा रहा है।युवा मर रहे है।चंद मिन्टों के मजे के लिए अनमोल जीवन बरबाद कर रहे है।युवतियां भी नशे की दलदल में फंस चुकी है।समाचार पत्रों में डरावने समाचरों से पता चलता है कि आज लड़कियां भी चार कदम आगे जा चुकी है।सिगरेट व अन्य चरस जैसे नशे शरीर के अंगों को प्रभवित करती है। दुनिया में कैंसर व तपेदिक व गले के कैसर से मौतों का आंकड़ा हर साल बढ़ता ही जा रहा है।अगर इन नशे को नहीं रोका तो आने वाले साालों में भयावह परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा। नशा समाज व देशों के लिए नासूर बन गया है।नशे को मिटाने की कसम लेनी होगी। आज नशें के कारण इकलौते बच्चे मारें जा रहे है। नशें के लिए पैसा न मिलने के लिए मां-बाप को मौत के घाट उतारा जा रहा है। सामने मर रहे है।अगर सरकारों ने अभी भी कुभंकरणी नींद न तोड़ी तो फिर सब कुछ लुट जाएगा।नशे के कारण अपराधों में इजाफा हो रहा है।समाज को इस बुराई पर मंथन करना होगा ताकि चिरागों को बचाया जा सके।तम्बाकू उत्पादों पर रोक लगानी होगी।अगर दुनिया की सरकारें चाहे तो क्या नहीं कर सकती।राजस्व के लिए और भी साधन है।ऐसा राजस्व किस काम जो युवाओं की मौत से प्राप्त हो रहा है।युवाओं की बलि ली जा रही है।नशें का कारोबार करने वालों पर दंडात्मक कारवाई करनी होगी।स्कूलों व कोलेजों के सौ मीटर के दायरे में धूम्रपान बेचने वालों को सजा दी जाए जो चंद चांदी के सिक्कों की कमाई के लिए युवाओं का जीवन लील रहे है।लावारिस लाशें मिल रहीं है।युवाओं को बचाना हमारी जिम्मेवारी है।अपराध की जननी नशा ही है। नशें के कारण दंगें व फसाद होतें जा रहे है।नशें में अंधा होकर दुष्कर्म किए जा रहे है।युवा अनमोल पूंजी है।युवा देश की धरोहर है।समाज में एक कमेटी गठित करनी होगी तभी यह नशा बंद हो सकता है।नशा करने वालों को समाज से बहिष्कृत किया जाए उनका हुक्का पानी बंद किया जाए ताकि एक स्वस्थ समाज का निर्माण हो सके और युवाओं का जीवन बचाया जा सके।सामाजिक संस्थाओं को नशे के खिलाफ अभियान चलाने होगें।युवा ही देश को आगे ले जा सकते है।समय अभी संभलने का है।समाज को नशें के विरुद्ध आवाज उठानी होगी।ताकि युवाओं का भविष्य संवर सके। अगर समाज अब भी नहीं जागा तो युवा नशें की दलदल में धंसता जाएगा।समाज से इस बुराई को जड़ से मिटाना होगा। नशे को बंद करने के लिए कानून बनाना चाहिएं।हर राज्यों की सहभगिता हो तो नशे पर लगाम लग सकती है। नशा मुक्ती केन्द्र खोलने चाहिए ताकि युवाओं की काउंसलिग की जा सके।सरकार को बिना समय गंवाए इस पर रोक लगानी होगी ताकि युवाओं की पीढ़ियां बचाई जा सके। आने वाली पीढ़ीओं को नशे को त्यागना होगा।जीवन को मत गंवाओ जीवन एक बार ही मिलता है।दुनिया के सभी देशों को सर्तकता बरतनी होगी। नशे का खात्मा करना होगा।नशे का सेवन रोकना होगा।दुनिया के तमाम देशों की भागीदारी से ही नशों को रोका जा सकता है।

बदला हुआ आदमी

स्कॉटलैंड के एक राजा को शत्रुओं ने पराजित कर दिया। उसे धन-जन की बड़ी हानि हुई और संगी-साथी भी छूट गए। अब बस उसका जीवन बचा था, पर शत्रु उसकी टोह में थे। प्राण बचाने के लिए वह भागा-भागा फिर रहा था। स्थिति यह थी कि राजा अब मरा कि तब मरा। राजा एक खोह में छिपा अपनी मौत की प्रतीक्षा करते हुए सोच रहा था- शत्रु की तलवार पल भर में मेरा काम तमाम कर देगी। तभी राजा ने देखा- एक मकड़ी खोह के दरवाजे पर जाला बनाने में व्यस्त थी। वह कई बार कोशिश करती, नाकाम रहती, लेकिन फिर से उठकर जाला बनाने लगती। राजा ने सोचा- यह व्यर्थ प्रयत्न कर रही है। बिना आधार के जाला भला कैसे बना पाएगी। किंतु आश्चर्य, मकड़ी का एक झीना-सा सूत्र खोह के मुंह पर अटक ही गया। बस फिर एक के बाद एक सूत्र अटकते चले गए और देखते-देखते जाला तेजी से बुना जाने लगा। थोड़ी देर में पूरी खोह के मुंह पर जाला तैयार था। तभी शत्रु के सिपाही वहां आ पहुंचे। लेकिन खोह के मुंह पर मकड़ी का जाला बना देख वापस लौट गए। करीब आई हुई मौत तो वापस चली गई पर राजा को एक गहरे विचार में छोड़ गई। उसने सोचा- मकड़ी बार-बार गिरकर भी निराश और परास्त नहीं हुई तो मैं इंसान होकर भी क्यों डर रहा हूं? मैं भी अवश्य अपने शत्रुओं को परास्त करूंगा। इस मकड़ी ने मेरा संकल्प मजबूत कर दिया है। यह सोचते ही वह खोह से बाहर निकल गया।

युवा पीढ़ी उगता सूरज देखना भूल गयी

विजय कुमार जैन

पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण से युवा पीढ़ी प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों से विमुख हो रही है। आधुनिक संचार क्रांति एवं सोशल मीडिया के निरंतर बढ़ते प्रभाव से जितने लाभ हैं, उनसे ज्यादा नुकसान युवा पीढ़ी को हो रहा है। युवा वर्ग अनेक विकृतियों से घिर गया है। समय का प्रभाव कहें या पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव कहें आज के युवा वर्ग की जीवन शैली ही पूरी तरह से बदल गयी है। युवाओं की सोच एवं जीवन शैली में परिवर्तन होना गंभीर एवं विचारणीय प्रश्न है। सहशिक्षा, प्रेम विवाह, अन्तर्जातीय विवाह, क्लब संस्कृति, विवाह पूर्व फिल्मांकन,हनीमून यात्रा, शराब, स्मैक, हुक्का आदि से नशा करने की अनेक गंदी आदतें युवाओं में बढ़ती जा रही हैं।आज हम युवाओं की एक और गलत आदत प्रातःकाल सूर्योदय से पूर्व नहीं जागने का उल्लेख कर रहे हैं। मेरे सहयोगी समाज सेवी अभिन्न मित्र अजय जैन वरया ललितपुर ने ज्वलंत समस्या पर हमारा ध्यान आकर्षित किया है।आपका कहना है आज के अधिकतर युवक उगते हुए सूरज को देख ही नहीं पाते, उन्हें नहीं पता कि सूरज कब उगता है और कैसा दिखता है उगते हुए सूरज को देखने से कुछ मिनिट संपर्क में रहने से क्या-क्या लाभ होते हैं। वह इन सब से अनभिज्ञ है। क्योंकि वर्तमान परिवेश के अधिकांश युवा वर्ग सुबह 9:00 से 11:00 बजे तक बिस्तर पर ही रहता हैं। यह हाल किसी एक परिवार का नहीं है।ऐसे भारत देश में अधिकतर परिवार देखने को मिल जाएंगे। आज जहां मोबाइल कई लोगों के लिए वरदान साबित हुआ है वहीं अधिकांश युवाओं के लिए अभिशाप बन रहा है। भारतीय संस्कृति में आयुर्वेद का उल्लेख है आयुर्वेद के दिशा निर्देश अनुसार रात्रि 10:00 बजे तक सोने का समय होता है इसके विपरीत युवा वर्ग रात्रि 10:00 बजे से मोबाइल चलाना प्रारंभ करता है और 12:00 बजे से 1:00 बजे तक मोबाइल में ही उलझा रहता है। जिसके परिणाम स्वरुप में देर सुबह तक अपनी नींद पूरी करने के लिए मजबूर हो जाता है। बच्चों की इस जीवन शैली से माता-पिता तनाव में रहते हैं, वही बच्चे के स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। आज के अधिकतर बच्चों, किशोरों एवं युवकों को चश्मा लग रहे हैं। क्योंकि उनकी आंखों की रोशनी कम हो रही है । बच्चों में देर रात तक जागने के कारण चिड़चिड़ापन भी हो रहा है। साथ ही जैसे युवा अवस्था में बच्चों को मां-बाप का सहारा बनना चाहिये।अपना भविष्य बनाने की सोचना चाहिए। लेकिन कुछ उल्टा ही हो रहा है। आज बच्चों के माता-पिता अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं। साथ ही बच्चे भी तनावग्रस्त हो रहे हैं।अपनी ऊर्जा का सदुपयोग नहीं कर पा रहे हैं। माता-पिता और परिवार जन चाहते है युवा वर्ग सही समय पर सोना और सही समय पर उठना प्रारंभ कर दें और सूर्य की प्रथम किरण का आनंद ले। वर्तमान में बढ़ रहे प्रदूषण की वजह से युवाओं के शरीर की चमड़ी कठोर नजर आती है उसमें भी सुधार आएगा। और शरीर में खून का संचार ठीक रहेगा। अगर आप ज्यादा देर तक सोते हैं तो दिल की सेहत पर बोझ पड़ने लगता है। वर्ष 2013 में अमेरिकन जर्नल आफ कार्डियोलॉजी की एक रिपोर्ट के अनुसार लंबे समय तक सोने से लेफ्ट वेंट्रिकुलर का वजन बढ़ सकता है। जिससे हार्ट अटैक की आशंका बढ़ने लगती है। न्यूरोलॉजी पत्रिका में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन में पाया गया है कि कम नींद की वजह से कार्डियोवैस्कुलर रोगों का खतरा 18% बढ़ जाता है।जबकि देर तक सोने की वजह से स्ट्रोक का जोखिम 40% रहता है। स्मरणीय है कि अच्छे स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद जरूरी है।भरपूर नींद लेने से आपको दिन के कामों को करने के लिए ऊर्जा मिलती है। रोजाना 8 से 9 घंटों की नींद लेते हैं तो डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याओं से भी आपका बचाव होता है। इसका यह बिल्कुल भी मतलब नहीं कि घंटों सोते रहे। क्योंकि यह आदत आपको बीमार बना सकती है। ज्यादा देर तक सोना व सुबह के समय देर तक सोने से आपको कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। लेकिन कुछ विशेष परिस्थितियों में अधिक सोना डिप्रेशन, हृदय संबंधी रोग, थायराइड और कुछ विशेष प्रकार की बीमारियों का संकेत भी हो सकता है। इसलिए इस स्थिति को ठीक से समझना जरूरी है।

सूडोकु नवताल- 6113

★★★★☆ मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6112 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

कैंसर का खतरा

सिद्धार्थ शंकर

इंटरनेशनल एजेंसी फार रिसर्च ऑन कैंसर (आईएआरसी) का अनुमान है कि आने वाले वक्त में कैंसर के मरीजों की संख्या में और तेजी से बढ़ोतरी होगी। मोटा अनुमान है कि 2025 तक हर पांच में से एक पुरुष और छह महिलाओं में से एक महिला कैंसर से पीड़ित होगी और पीड़ित महिलाओं में से एक की मौत इस बीमारी से होगी। गौरतलब है कि भारत में हर दो मिनट में तीन लोगों की मौत कैंसर से होती है। कैंसर संस्थान के अनुमान के मुताबिक आने वाले वक्त में हर साल बीस लाख से ज्यादा लोगों की जान केवल इस बीमारी से जाएगी और सक्रिय मामलों की संख्या में भी खासा इजाफा देखने को मिलेगा। कैंसर को लेकर आंकड़ों की जो तस्वीर देखने को मिल रही है, वह बेहद डरावनी है। नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2020 में कैंसर के 13 लाख 90 हजार मामले सामने आए थे। चिंता की बात यह है कि 2025 तक यह आंकड़ा 15 लाख को पार कर सकता है। सर्वेक्षण के मुताबिक कुल कैंसर मरीजों में 13.5 फीसद मौतें स्तन कैंसर से, 10.3 फीसद मुंह के कैंसर से, 9.4 फीसद गर्भाशय के कैंसर से और साढ़े पांच फीसद फेफड़े के कैंसर से होती हैं। इसी तरह कैंसर पीड़ित महिलाओं में 26.3 फीसद स्तन कैंसर, 6.7 फीसद गर्भाशय कैंसर और 4.6 फीसद महिलाएं मुंह के कैंसर से मर जाती हैं। भारत में कैंसर से पीड़ित पुरुषों में 16.3 फीसद मुंह, आठ फीसद फेफड़े और 6.8 फीसद पेट के कैंसर से मरते हैं। गौरतलब है पिछले कुछ सालों में पुरुषों में मुंह के कैंसर के मामले तेजी से बढ़े हैं। यह तंबाकू के सेवन की वजह से ज्यादा बढ़ रहे हैं। गौरतलब है पिछले दस सालों में कैंसर से होने वाली मौतों की दर दोगुनी हुई है। जाहिर है, इस बीमारी से निपटने के लिए सरकारी तंत्र के पास वैसा मजबूत तंत्र नहीं है जिसकी आज दरकार है। अमीर लोग तो विदेशों में या महंगे निजी अस्पतालों में इलाज करवा लेने में सक्षम होते हैं, लेकिन कैंसर का इलाज आम आदमी के बूते के बाहर ही है। भारत में बढ़ते कैंसर मरीजों और ज्यादा मौतों की वजह चिकित्सकों की भारी कमी भी है। भारत में दो हजार कैंसर मरीजों पर महज एक चिकित्सक है, जबकि अमेरिका में अनुपात सौ मरीजों पर एक चिकित्सक का है यानी भारत से बीस गुना ज्यादा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेतावनी दी है कि कैंसर की रोकथाम के लिए यदि वक्त रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो यह एक महामारी का रूप धारण कर सकता है। संगठन ने कैंसर के प्रति विश्व स्तर पर और अधिक जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया है। भारत की आधी आबादी जो मुख्यतः मजदूरी, नौकरी, खेती या घर पर रह कर काम करती है, उसमें कैंसर के मामले ज्यादा पाए जा रहे हैं। इस बीमारी से ग्रसित होने के तमाम कारण हैं। इसके प्रमुख कारणों में गुणसूत्रों की असमानता और आंतरिक बदलाव और जीन उत्परिवर्तन के अलावा हार्मोन में भी असमय बदलाव जैसे कारण हैं। महिलाओं में पैपीलोमा वायरस से ग्रीवा व गर्भाशय के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। एचआईवी के संक्रमण भी कई बार कैंसर का कारण बन जाता है। इसी तरह हेलियो बेक्टर जीवाणु के कारण आमाशय कैंसर और पेप्टिक अल्सर का होने का खतरा अधिक रहता है। आज तनाव, आधुनिक खान पान और आहार-विहार के कारण भी यह बीमारी खासकर शहरों में तेजी के साथ बढ़ रही है। भारत में गरीब मजदूरों-किसानों में कैंसर के मामले ज्यादा मिलना चिंता पैदा करता है। बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और झारखंड में लाखों मजदूर कोयला खदानों, सीमेंट कारखानों, पत्थर तोडने वाली मशीनों और चमड़े उद्योग में लगे हैं। इसी प्रकार सीमेंट उद्योग, बीड़ी पत्ते उद्योगों, धूल और धुंए वाले अन्य कारखानें में काम करने वाले मजदूर, चूड़ी उद्योग, ईंट भट्ठों, सड़कों, रासायनिक कारखानों आदि उद्योगों में लगे मजदूरों की स्थिति भी ऐसी है कि वे इस खतरनाक बीमारी के खतरे से बाहर नहीं हैं।

फिर याद आया, वह काला दिन!

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

26 जून 1975 का काला दिन आज 46 साल बाद मुझे फिर याद आया। 25 जून 1975 की मध्य रात्रि को राष्ट्रपति फखरूद्दीन अली अहमद ने आपात्काल की घोषणा पर आंख मींचकर हस्ताक्षर कर दिए। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के जीहुजूरों ने दिल्ली के कई बड़े अखबारों की बिजली कटवा दी थी और देश के जो अखबार जल्दी छपते थे, उनमें वह खबर ही नहीं छपी। उस दिन मैं इंदौर में था। मैं सुबह-सुबह मेरे घनिष्ट मित्र और आर.एस.एस. के प्रचारक कुप्प सी. सुदर्शनजी से मिलने गया। वे जवाहर मार्ग के एक अस्पताल में पांव की हड्डी का इलाज करवा रहे थे। सुबह 8 बजे जैसे ही उन्होंने अपना ट्रांजिस्टर खोला, पहली खबर थी कि देश में आपात्काल की घोषणा हो गई है। मैं तुरंत वहीं से हिंदी के तत्कालीन श्रेष्ठ अखबार 'नई दुनिया' के दफ्तर पहुंचा। मैं छोटी उम्र से ही उसमें लिखने लगा था। उस समय माना जाता था कि वह एक कांग्रेसी अखबार है। उसके मालिक लाभचंदजी छजलानी, प्रधान संपादक राहुल बारपुते और संपादक अभय छजलानी समेत सभी प्रमुख लोग दफ्तर में उपस्थित थे। मेरे सुझाव पर यह तय हुआ कि संपादकीय की जगह को खाली छोड़ देना विरोध का सर्वोत्तम उपाय है।

बच्चों को सेहतमंद रखेंगे ये पौष्टिक आहार

कोरोना महामारी के इस दौर में अगर आप अपने बच्चे को सेहतमंद रखने के साथ ही उसकी रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ाना चाहते हैं तो उसे बचपन से ही पौष्टिक चीजें खाने की आदत डालें। बच्चों की अच्छी सेहत के लिए उनके खाने में पौष्टिक चीजें शामिल करने से उनका शारीरिक व मानसिक विकास भी बेहतर तरीके से होता है। ऐसे में अक्सर अभिभावक इस बात से परेशान रहते हैं कि आखिर बच्चों को किस प्रकार का आहार देना चाहिये। अगर आप भी इसी समस्या से परेशान है तो यह जानकारी आप के लिए लाभदायक साबित हो सकती है।

शकरकंद

इसका सेवन करने से रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ने के साथ बीमारियों से भी बचाव रहता है। फाइबर की मात्रा अधिक होने से इसका सेवन करने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है। ऐसे में आप चाहे तो इसे बच्चे को 6 महीने का होने के बाद खिला सकते हैं। यह बच्चे के लिए बेस्ट आहार माना जाता है।

दलिया

बच्चों के बेहतर विकास के दलिया एक संपूर्ण आहार माना जाता है। फाइबर, आयरन और अन्य जरूरी तत्वों से भरपूर दलिया का सेवन करने से बच्चे को सही वजन मिलता है। आप इसे नमकीन, दूध वाला या पेनकेक की तरह बना कर बच्चे को खिला सकते हैं।

गाय का दूध

एक साल से छोटे बच्चे के लिए मां का दूध ही संपूर्ण आहार होता है। मगर आपका बच्चा एक साल से बड़ा है तो उसे रोजाना 3 बार गाय का दूध पिलाएं। इससे उसे सभी उचित तत्व मिलने के साथ बीमारियों से बचाव रहेगा।

केला

विटामिन, कैल्शियम, फाइबर, पोटेशियम आदि से भरपूर केले का सेवन करने से अंदर से मजबूती मिलती है। साथ ही इसमें फाइबर अधिक होने से लंबे समय तक भूख नहीं लगती है। ऐसे में वजन भी कंट्रोल में रहता है। अगर बच्चा केला खाने से मना करें तो आप उसे इससे मफीन, पैन केक या बनाना शेक बना कर दे सकते हैं। पौष्टिक गुणों से भरपूर आडू का सेवन करने से बच्चे का विकास बेहतर तरीके से होता है। इसके सेवन से मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आती है। आप इससे शेक, फ्रूट चाट, स्मूदी के तौर पर बच्चे को दें सकते हैं।

नाशपाती

नाशपाती में विटामिन, फाइबर, आयरन, एंटी-ऑक्सीडेंट गुण होते हैं। आयरन अधिक मात्रा में होने से यह शरीर में खून की कमी पूरा करने में मदद करता है। साथ ही मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आती है।

घी

घी का सेवन करना मां और बच्चा दोनों के लिए फायदेमंद होता है। इससे रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ने से बीमारियों से लड़ने की ताकत बढ़ती है। मगर बच्चे को इसे हजम करने में मुश्किल न आए ऐसे में उसे कम मात्रा में ही खिलाएं।

मटर

इसमें विटामिन, कैल्शियम, आयरन, फास्फोरस आदि अधिक मात्रा में होते हैं। आप बच्चों को मटर का सूप, खिचड़ी या सब्जी के रूप में खिला सकते हैं। इससे बच्चे का शारीरिक व मानसिक विकास होने में मदद मिलती है।

चीज़

आप अपने 8 महीने के बच्चे को चीज खिला सकते हैं। इसमें फास्फोरस, कैल्शियम अधिक होने से बच्चे की ग्रोथ बेहतर तरीके से होती है।

आंखों की खूबसूरती को निखारने इस प्रकार करें मेकअप

खूबसूरत आंखें हर कोई महिला चाहती है क्योंकि बड़ी, चमकीली और कटीली आंखों को सुंदरता की निशानी माना जाता है। ऐसी आंखें जिनसे नजरें हटती ही नहीं हैं सबके आकर्षण का केन्द्र होती हैं पर जरूरी नहीं कि प्राकृतिक रूप से हर किसी की आंखें इतनी ही खूबसूरत हों। अगर आप भी अपनी आंखों की खूबसूरती को निखारना चाहती हैं तो आपको आई मेकअप से जुड़ी मुख्य बातों को सीखना होगा। यह सच है कि शुरुआत में कुछ कमियां रह जाएंगी, पर लगातार कोशिश करने से आप भी मेकअप के जरिये अपनी आंखों की खूबसूरती को एकदम से निखार पाएंगी।

आई प्राइमर की भूमिका रहती है अहम

आई मेकअप करने के कुछ घंटे बाद ही अगर पूरा मेकअप फैलने लगे तो चेहरे की रौनक खराब होने में समय नहीं लगता है। ऐसे में आई प्राइमर की भूमिका अहम हो जाती है। चेहरे के प्राइमर की तरह ही आंखों का प्राइमर वहां की त्वचा के टेक्सचर को बेहतर बनाकर आई मेकअप को लंबे समय तक टिकने में मदद करता है। साथ ही आई प्राइमर, आई शैडो को भी खराब होने और उस पर क्रैक पड़ने से बचाता है। आई प्राइमर को आप आई शैडो लगाने से पहले अपनी उंगलियों या फिर मेकअप ब्रश की मदद से लगा सकती हैं।

कंसीलर है जरूरी

जब भी आई कंसीलर की बात आती है तो सही चुनाव करना कठिन हो जाता है। एक गलत धारणा यह है कि अगर आंखों के नीचे काले घेरे या दाग-धब्बे न हों तो कंसीलर की जरूरत ही नहीं पड़ती पर, सच्चाई यह है नहीं। प्रभावी आई मेकअप के लिए हमेशा कम मात्रा में ही सही, कंसीलर का इस्तेमाल जरूर करें।

जरूरी है आई शैडो

आई शैडो से आंखों की खूबसूरती सही तरीके से तभी निखरती है, जब आप उसे मेकअप करते वक्त अच्छी तरह से मिलाती हैं। आई मेकअप करते वक्त आई शैडो को सही तरीके से मिलाने पर पूरा ध्यान दें। आई शैडो में आप कितने रंगों का चुनाव कर रही हैं, यह मायने नहीं रखता है। मुख्य बात यह है कि आप आई शैडो को अच्छी तरह से मिलाएं।

वॉटरप्रूफ आईलाइनर खरीदें

आजकल बाजार कई तरह के आईलाइनर से भरा पड़ा है। इनमें सबसे ज्यादा चलन में लिक्विड ब्लैक आईलाइनर है। आईलाइनर खरीदते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि वह वॉटरप्रूफ हो। बाजार में पेंसिल आईलाइनर भी उपलब्ध है, जिसका इस्तेमाल आप आई शैडो की तरह भी कर सकती हैं। इसे लगाना लिक्विड आईलाइनर की तुलना में आसान होता है। प्रभावी इस्तेमाल के लिए अपने पेंसिल आईलाइनर को नियमित अंतराल पर नुकीला भी करें। कम वक्त में खूबसूरत आईलाइनर लगाने के लिए पेन आईलाइनर का इस्तेमाल करें।

काजल लगायें

काजल के बिना आई मेकअप पूरा नहीं होता है। आंखों की खूबसूरती निखारने में काजल की भूमिका अहम होती है। जरा-सा काजल लगाते ही आंखों की पूरी थकावट गायब हो जाती है। बाजार में ब्लू, ग्रे, ग्रीन, ब्लैक जैसे कई रंगों में काजल उपलब्ध हैं। काली व भूरी आंखों पर हरे रंग का काजल भी लगाया जा सकता है। हरे व हेजल रंगों की आंखों पर बैंगनी, हल्का भूरा, नीला व हरा रंग फबता है। अगर आपकी आंखों का रंग नीला है तो उस पर नीला काजल लगाने से बचें। काला, ग्रे या बैगनी रंग का काजल आपकी आंखों की खूबसूरती को निखारेगा।

पीरियड्स में स्वच्छता न रखने से कैंसर का खतरा

मासिक धर्म (पीरियड्स) को लेकर लोगों में तमाम तरह की भ्रांतियां हैं, जबकि यह बीमारी नहीं। एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। जरूरत हैं इसमें स्वच्छता की क्योंकि स्वच्छता न अपनाने से महिलाएं सवाईकल कैंसर, प्रजनन रोग व अन्य इन्फेक्शन से गंभीर बीमार हो सकती हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार देश में 12 फीसदी महिलाएं ही सैनेटरी पैड्स का इस्तेमाल कर पाती हैं। 82 प्रतिशत महिलाएं आज भी पुराना कपड़ा अपना रहीं हैं। जो उनके लिए बेहद घातक है। 71 प्रतिशत युवतियों को अपने पहले मासिक धर्म के बारे में कोई जानकारी नहीं होती। मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता के तौर-तरीके न अपनाने 23 प्रतिशत महिलाएं सर्वाइकल कैंसर व अन्य रोगों की शिकार हो रहीं हैं। ग्रामीण इलाकों में 48 प्रतिशत महिलाएं ही सैनेटरी नैपकिन का इस्तेमाल कर रही हैं। उन्होंने कहा कि यह तथ्य डराने और हैरान करने वाले हैं।

स्वस्थ लड़की, स्वस्थ परिवार की नींव

स्त्री रोग विशेषज्ञों के अनुसार मासिक धर्म को लेकर लोगों में गलतफहमियां हैं। ये कोई बीमारी नहीं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य लड़की है, स्वस्थ्य परिवार की नींव रखती है। मासिक धर्म में महिलाओं व युवतियों को घबराने, छुपाने या शर्माने की जरूरत नहीं है। यह स्वभाविक प्रक्रिया है। साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। गंदा कपड़ा इस्तेमाल न करें। बाजार में सस्ते सेनेटरी पैड्स भी उपलब्ध हैं। उनका इस्तेमाल करें। रूढ़िवादी सोच से हटकर जागरूक होने की जरूरत है। महिलाएं स्वयं भी जागरूक हों और अपनी बच्चियों को भी जागरूक बनाएं।

बच्चों को यातायात के नियम भी बताएं

स्कूल और घर में ज्यादा दूरी ना होने के कारण बच्चे अकेले ही वहां चले जाते हैं। ऐसे में हमें उन्हें यातायात के सुरक्षा नियमों की जानकारी देनी चाहिये ताकि बच्चे सुरक्षित रूप से स्कूल आ जा सकें। ध्यान रखें कि आपके बच्चे एक ही रूट से प्रतिदन आएं-जाएं और वह रास्ता सुरक्षा की दृष्टि से भी सही होना चाहिए। उन्हें ऐसे रास्ते से भेजें जिसमें सड़क पर कम-से-कम क्रासिंग हो ताकि उन्हें बार-बार सड़क पार ना करनी पड़ी। किसी भी तरह का गैजेट जैसे मोबाइल, वीडियो गेम, टैबलेट एवं आई पैड इत्यादि उन्हें देंने से बचें ताकि बच्चे सड़क पर फोन पर बात करते हुए, गाने सुनते हुए या गेम खेलते हुए किसी दुर्घटना का शिकार ना हों।

अपने बच्चों को सुरक्षा नियमों का पालन करने को कहें। चाहे वे पैदल जाते हों या वैन एवं बस में उन्हें पता होना चाहिए कि वैन में कैसे बैठना है। यदि आगे की सीट पर बैठ हैं तो बैल्ट लगा कर बैठें। सड़क पार कर रहे हैं सिग्नल देख कर करें। अपने बच्चों को लाल, हरी और पीली बत्ती का फर्क समझाएं।

- दस साल से कम उम्र के बच्चों के साथ किसी बड़े का होना जरूरी है। उन्हें कभी भी सड़क पर अकेले ना छोड़ें। जब तक कि उनमें सड़क नियमों को समझने की परिपक्वता ना आ जाएं।
- अपने बच्चों को अजनबियों से सावधान रहने को कहें। उन्हें समझाएं किसी भी अजनबी से कोई भी उपहार, टॉफी या खाने की चीज ना लें और ना ही उनके साथ कहीं जाएं।
- बच्चों को समझाएं कि सड़क के किनारे से सिग्नल को देखकर और जेब्रा क्रासिंग पर ही सड़क पार करें।
- बच्चों को बताएं कि बस से उतरने के बाद हमेशा उसके सामने से ही जाएं ताकि ड्राइवर उन्हें जाते हुए देख सके।
- कभी भी सड़क पर मस्ती-मजाक करते हुए दौड़ ना लगाएं। कार पार्किंग के बीच में ना भागें।
- बच्चों को अपने मोबाइल और घर के नंबर, घर का पता, स्कूल का पता याद करवा दें ताकि जरूरत पड़ने पर या किसी मुसीबत में वे आपसे संपर्क कर सकें।
- यदि आपके बड़े बच्चे बाइक, स्कूटर या स्केट बोर्ड से स्कूल जाते हैं तो उन्हें हैलमेट पहनने को जरूर कहें। उनकी सुरक्षा करने के लिए ध्यान दें कि वे इसका पालन कर रहे हैं या नहीं।

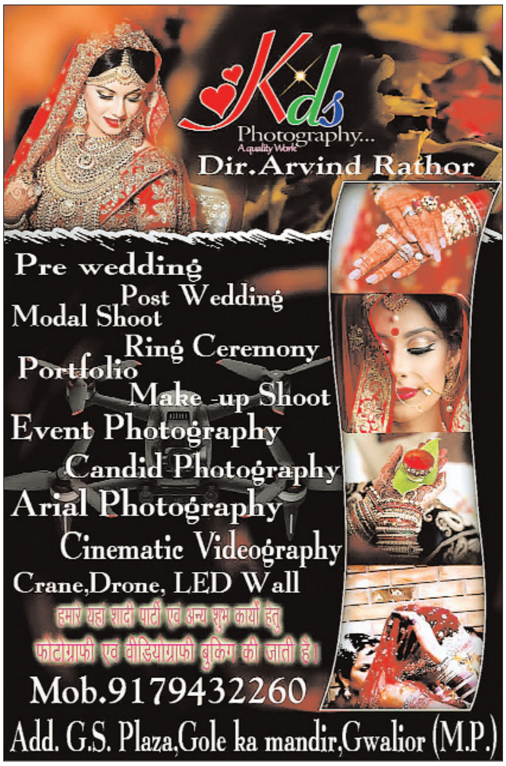

ग्वालियर को सुन्दर, स्वच्छ और विकसित शहर बनायेगे: डॉ. शोभा सिकरवार

जनसम्पर्क के दौरान लोगों ने किया जोरदार स्वागत

ग्वालियर। कांग्रेस पार्टी की महापौर पद की उम्मीदवार डॉ.श्रीमती शोभा सिकरवार ने कहा है कि विकास के नाम पर झूठी घोषणाये करती है भाजपा। सड़क, पानी, बिजली, गंदगी की समस्या से आम नागरिक परेशान है। मुझे जगह-जगह आम लोग बढ़े हुये टैक्सों के बारे में बता रहे है और गार्बेज शुल्क के रूप में बढ़ी राशि वसूली की जा रही है। जब जनता से पहले ही स्वच्छता कर समेत कई प्रकार वसूले जा रहे हैं, तब गार्बेज शुल्क लगाने का क्या औचित्य था। हम विश्वास दिलाते है कि गार्बेज शुल्क को खत्म करेंगे। भाजपा के नेता मंहगाई व बैरोजगारी पर बात नहीं करते है, वे झूठ का प्रपंच फैलाते है। कांग्रेस महापौर पद की उम्मीदवार डॉ.श्रीमती शोभा सिकरवार ने आज वार्ड क्रमांक-3 में शान्ति मैरिज हाउस विनय नगर से जनम्पर्क की शुरूआत करते हुये अनेक मोहल्लों में घर-घर जाकर लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना और निराकरण करने का आश्वासन दिया। उन्होंने वार्ड क्रमांक-4 में ठाकुर मोहल्ला से जनसम्पर्क की शुरूआत करते हुये कई मोहल्लों में डोर टू डोर जाकर आमजन से चर्चा की। इस दोरान आमजनों, महिलाओं ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया। जनसम्पर्क के दौरान डॉ.श्रीमती शोभा सिकरवार ने कहा कि विकास व प्रगति हमारा लक्ष्य रहा है, काम किया है और काम करके दिखायेंगे। भाजपा की तरह झूठे सपने नहीं दिखायेगे, जो घोषणा करके पैसा वापस ले लेती है। ग्वालियर विकास के क्षेत्र में हर मामले में पिछड़ा हुआ है। भाजपा झूठ की बुनियाद की राजनीति करती है। कांग्रेस पार्टी के लोग जनसेवा करते है और विकास व प्रगति के काम जन भावनाओं के अनुरूप करते है। कांग्रेस पार्टी आमजन के सम्मान के साथ 66 वार्डो के विकास के संकल्प के साथ जनता के बीच जा रही है। विकास किया है विकास करेंगे के नारे को बुलन्द करेंगे। भाजपा की तरह जुमलेबाजी नहीं करेंगे। आप सब को विश्वास दिलाती हूँ कि आपके काम करके दिखाउगी। 15 साल पार्षद रही हूँ, काम करने का अनुभव है और आप सबके मार्गदर्शन में ग्वालियर को सुन्दर-स्वच्छ और विकसित शहर बनायेगे। साथ ही विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने आज वार्ड क्रमांक 7 व 8 में अनेक बस्तियों में जनसम्पर्क किया और जनता के बीच कहा कि आपकी सेवा में कोई कसर नही छोड़ूंगा। आपके बीच का हूँ, हर वक्त उपलब्ध हूँ, आप कांग्रेस पार्टी को विजयी बनाकर विकास व प्रगति को गति देने में आर्शीवाद प्रदान करें।

स्वस्थ शरीर बनाये रखने के लिए 20 किलोमीटर साइकिल चलाकर दिया संदेश

पुष्पांजली टुडे

सेवढा।। स्वस्थ शरीर रखने के लिए हमे अपनी प्राचीन सभ्यता नही भूलनी चहिए उक्त बात श्यामू ठाकुर ने कही वंही इस मौके पर साइकिल से शीघ्र सेवड़ा के आसपास धार्मिक स्थल से साइकिल यात्रा कर धार्मिक क्षेत्रों का प्रचार प्रसार एवं शारीरिक जागरूकता के लिए साइकिल यात्रा की जाएगी ज्यादा से ज्यादा युवाओं को जोड़ने का प्रयास रहेगा यह संदेश मीडिया को दिया वंही शुक्रवार को समाजसेवी श्यामू ठाकुर ने 20 किलोमीटर साईकल चलाकर धर्मिक स्थानों घूम घूमकर उक्त संदेश दिया

नगर पालिका वार्ड क्रमांक 8 में युवा चेहरा आ रहा सबको रास

ब्यूरो पुष्पांजलीं टुडे

शिवपुरी -हाल ही में होने वाले नगर पालिका परिषद के चुनावों में एक सर्वे के अनुसार पता चला है की शिवपुरी नगर पालिका वार्ड क्रमांक 8 में लोगों को एक नए चेहरे की तलाश है जिसमें वह किसी युवा प्रत्याशी में अपना नया पार्षद देखने की इच्छा रख रहे हैं सबसे आगे आने वाला चेहरा निर्दलीय प्रत्याशी अनिल कुशवाहा दिखाई दे रहा है अनिल कुशवाहा जो कि एक पत्रकार के रूप में समाज और सेवाएं प्रदान करते हैं और एक समाजसेवी होने के नाते वह अपनी समाज और सभी वर्गों में होने वाली परेशानियों का सामना कर परेशान व्यक्तियों को अपनी परेशानियों से मुक्त कराते हैं उनके द्वारा कोरोना काल में भी अपने घरों से दूर रहने वाले व्यक्तियों के लिए और अपने घरों तक पहुंचने वाले राहगीरों के लिए भोजन व्यवस्था की उत्तम व्यवस्था कराई गई थी और लगातार अपने सामाजिक गतिविधियों मैं बढ़ चढ़कर कार्य करने वाले अनिल कुशवाहा वार्ड के लोगों की पहली पसंद बन चुकी है अब आने वाली 13 जुलाई को देखना यह होगा कि वार्ड के जनता युवा प्रत्याशी को चुनकर अपने वार्ड में विकास की लहर बहाना चाहते हैं या पहले से बने आ रहे प्रत्याशियों को जीता कर 5 साल मौन रहना चाहते हैं।

बिन्द्रानवागढ़ विधायक डमरूधर पुजारी राष्ट्रपति चुनाव में द्रौपदी मुर्मू के प्रस्तावक बनने दिल्ली पहुंचे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं राष्ट्रपति उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू से विधायक पुजारी ने किया मुलाकात

ब्यूरो चीफ अश्वनी अवस्थी पुष्पांजली टुडे

छत्तीसगढ। गरियाबंद - राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) चुनाव में उम्मीदवार श्रीमति द्रौपदी मुर्मू ने आज शुक्रवार को सांसद भवन में जाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। राष्ट्रपति उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के प्रस्तावक बनने के लिए भाजपा नेतृत्व ने छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ विधायको को भी दिल्ली बुलाया है जिसमें बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक डमरूधर पुजारी भी शामिल है उनके साथ पूर्व मंत्री ननकीराम कंवर, पुन्नुलाल मोहिले भी दिल्ली गये है। डमरूधर पुजारी ने बताया आज राष्ट्रपति उम्मीदवार श्रीमति द्रौपदी मुर्मू ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया इस दौरान देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रपति उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा से मूलाकात कर बिन्द्रानवागढ़ विधायक पुजारी ने उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया।

जनपद खनियाधाना शिवपुरी के 80 वर्ष वृद्ध बीमार वोटर का बोट थाना पिछोर की सेक्टर मोबाइल क्रमांक 8 ने लाइन से निकलवा कर सबसे पहले वोट डलवाया

राकेश परिहार ,पुष्पांजली टुडे

पिछोर, जनपद खनियाधाना शिवपुरी के ग्राम पंचायत रेवई मतदान केंद्र क्रमांक 250 प्राथमिक शासकीय भवन रेवई पिछोर में 80 वर्षीय वृद्ध बीमार वोटर का बोट थाना पिछोर की सेक्टर मोबाइल क्रमांक 8 ने लाइन से निकलवा कर सबसे पहले वोट डलवाया पुलिस थाना पिछोर की सेक्टर मोबाइल नंबर 8 की टीम में एएसआई शैलेंद्र सिंह चौहान प्रधान आरक्षक इंदर सिंह भदोरिया आरक्षक पुष्पेंद्र राठोर वनरक्षक रमेश सिंह महिला आरक्षक नेहा सिकरवार व चालक रामपाल यादव शामिल रहे

जिला न्यायाधीश श्री कुमार ने किया जिला जेल शिवपुरी का निरीक्षण

अनिल कुशवाह ब्युरो
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री विनोद कुमार ने आज शनिवार को जिला जेल शिवपुरी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बंदियों को मिलने वाली सुविधाओं जैसे भोजन, स्वल्पहार, स्वास्थ्य, परिवारजनों से मुलाकात पेशी आदि के संबंध में पूछताछ की तत्पश्चात जेल के सभाग्रह में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री विनोद कुमार की अध्यक्षता में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

इस दौरान माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने बंदियों को बताया कि ऐसे विचाराधीन बंदी जिनका मामला 7 वर्ष तक या 7 वर्ष से कम की सजा से दण्डनीय है वे प्ली-बानिंग प्रावधान के अंतर्गत अपराध स्वीकृति के परिणामस्वरूप उन अपराध में दी जाने वाली अधिकतम सजा के एक चौथाई सजा भोग कर मामले का त्वरित निराकरण करा सकते है, जिसके फलस्वरूप वह बंदी उस मामले में न्यायालयीन प्रक्रिया में लगने वाले समय को बचाकर लाभ ले सकता है। साथ ही उस मामले का निराकरण प्लीबार्गेनिंग प्रक्रिया अंतर्गत मामलों का निराकरण दोनों पक्षकारों बिना किसी दबाव के व उभयपक्षों की सहमति से हाने के कारण मामले का अंतिम और स्थाई तौर पर समाधान हो जाता है। साथ ही अपीलीय प्रक्रिया से भी छुटकारा मिल जाता है।

जिला न्यायाधीश श्रीमती अर्चना सिंह ने बताया कि कारागार केवल सजा काटने का स्थान नहीं बल्कि प्राश्चित करने का स्थान है। साथ ही श्रीमती सिंह ने भगवान श्री कृष्णा, उनके पिता वसुदेव एवं महर्षि बालगीकि व अंगुलीमार आदि का उदाहरण देते हुए बताया कि हम सभी को इनके जीवन से सीख लेकर कारागार से बाहर जाकर एक नए जीवन की शुरूआत कर सकते हैं और अपने आप को समाज की मुख्यधारा से जोड़कर व अपने जीवन को उन्नति के मार्ग में लगा सकते है।

व्यवहार न्यायाधीश श्रीमती नेहा प्रधान ने जेल लोक अदालत पर जानकारी देते हुए बताया कि बंदी जेल लोक अदालत के माध्यम से मामले का निराकरण कराकर लाभ ले सकते है जैसे-न्यायालय फीस, पेशी से छुटकारा, न्यायालय प्रक्रिया में लगने वाला पैसा अपीलीय प्रावधानों से छुटकारा आदि।

इस अवसर पर व्यवहार न्यायाधीश श्रीमती रूपम तौमर ने बताया कि प्रत्येक बंदी को अधिकार है कि उन्हें जेल मेनुअल अनुसार भोजन, पानी, स्वास्थ्य संबंधी सुविधा मिले बंदियों को उनके परिवार जनों से मुलाकात हो। बंदी को अपना मामला चलवाने के लिए निशुल्क वकील मिले। गर्भवती महिलाओं और उनके साथ रह रहे छः वर्ष से कम उम्र के बच्चों आहार व समुचित उपचार मिले।

विधिक साक्षरता शिविर का संचालन जिला विधिक सहायता अधिकारी डॉ.वीरेन्द्र चढ़ार ने किया पैरालीगल वालंटियर श्री अमित दांगी, श्री अमन बेडिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आभार जेल में पदस्थ शिक्षक श्री रामगोपाल ने माना।

उद्यम पंजीयन कराने के पश्चात उद्यमी को दो करोड़ तक का ऋण बगैर किसी कोलेटरल के मिल सकता है : राजीव कुमार, सहायक निदेशक, एमएसएमई

एमएसएमई एवं एमपीसीसीआई के संयुक्त तत्वावधान में 'निःशुल्क उद्यम पंजीयन शिविर' आयोजित

ग्वालियर, 25 जून । MSME विकास संस्थान, ग्वालियर एवं MPCCI के संयुक्त तत्वावधान में व्यवसाईयों के लिए ÷निःशुल्क उद्यम पंजीयन शिविर÷ का आयोजन आज प्रातः 11.30 से 2.30 बजे तक 'चेम्बर भवन' में आयोजित किया गया । शिविर में शहर के 50 व्यवसाईयों द्वारा अपनी फर्म का उद्यम पंजीकरण कराया गया । शिविर में उपस्थित, एमएसएमई विकास संस्थान, ग्वालियर के सहायक निदेशक-श्री राजीव कुमार ने बताया कि उद्यमी आइडिया डव्लपमेंट, पेटेंट, रिसर्च एण्ड डव्लपमेंट एवं डिजाइनिंग ऑफ प्रॉडक्ट्स के लिए भी सरकार द्वारा अनुदान प्रदान किया जाता है । इसके साथ ही आपने बताया कि उद्यम पंजीयन कराने के पश्चात व्यवसाई कोलेटरल फ्री-लोन, देश-विदेश के व्यापार मेलों में भाग लेने के लिए आर्थिक सहायता, मशीनरी व सॉफ्टवेयर अपडेशन करने पर सब्सिडी एवं अन्य कई फायदे ले सकते हैं । साथ ही, देश की प्रगति में सहभागी बन सकते हैं । शिविर का संचालन कर रहे मानसेवी सचिव, डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने एमएसएमई विकास संस्थान, ग्वालियर द्वारा ग्वालियर के ट्रेडर्स के लिए आज आयोजित किए गए निःशुल्क उद्यम पंजीयन शिविर को एक अच्छी पहल बताते हुए कहाकि हम एमएसएमई के साथ जुड़कर नियमित रूप से इण्ड एक्सपो जैसे मेले आयोजित करने का प्रयास करेगा, जिसमें क्रेता व विक्रता को एक उचित मंच मिलेगा और साथ ही इससे ग्वालियर अंचल के कारोबार को बढ़ावा मिलेगा । इसके साथ ही आपने इस प्रकार के शिविर समय-समय पर आयोजित किए जाने का आग्रह भी एमएसएमई के उपस्थित अधिकारियों से किया, जिससे अधिक से अधिक व्यवसाई अपना पंजीयन करा सकें । शिविर में कार्यकारिणी सदस्य, श्री उमेश उप्पल, श्री दीपक श्रीचन्द जैसवानी, श्री पंकज गोयल एवं आशीष जैन सहित सदस्य सर्वश्री आशीष अग्रवाल, वासुदेव आडवाणी, विष्णु कुमार सिंघल, अशोक मतानी व नरेन्द्र मंगल (लाला), पवन अग्रवाल, संतोष कुमार जैन, दिलीप कुमार, संजीव कुमार राणा, अरुण सहरिया, प्रवीण रत्नाकर, माधुरी गुप्ता, लेखराज रोहिरा, मनीश अरोरा, गिरीश गुप्ता, श?वेता गोयल, शैलेन्द्र सिंह यादव, गिर्राज सिंघल, पवन अग्रवाल, मुकेश जैसवानी, नरेन्द्र कुमार, मनीष मित्तल, सुभाष मित्तल, शिवम गाबरा, अमित कोहली, आयुष दौलतानी आदि उपस्थित थे ।

मुख्यमंत्री, गृह मंत्री और डीजीपी को सद्बुद्धि देने की हिंगला देवी मंदिर में की प्रार्थना

पत्रकारों के प्रति संवेदनशील नहीं है मध्य प्रदेश सरकार राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र सिंह पवैया

पुष्पांजली टुडे

भोपाल हम आपको बता दें कि ग्वालियर में पत्रकारों से अभद्र एवं भद्दी भद्दी गालियां दी गई थी इस मामले में पुलिस अधीक्षक ग्वालियर ने गंभीरता ना दिखाकर यह बात सत्य कर दी की पत्रकारों के प्रति शासन-प्रशासन संवेदनशील नहीं है यही मुद्दा नर्मदा पुरम संभाग की बैठक में छाया रहा प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ रूपरेखा तैयार कर भोपाल में वरिष्ठ अधिकारियों से करेगा चर्चा वरिष्ठ पत्रकार प्रफुल्ल तिवारी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया, संभाग एवं जिले की कार्यकारिणी गठित

नर्मदापुरम। प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ, नई दिल्ली की बैठक शुक्रवार को वाटिका रेस्ट्रोरेंट में आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष रवीन्द्र सिंह पवैया, राष्ट्रीय अध्यक्ष बेव पोर्टल प्रकोष्ठ राजकुमार भदौरिया सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। बैठक में सर्वसम्मति से नर्मदापुरम संभाग की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा भी की गई।

बैठक में सर्वसम्मती से वरिष्ठ पत्रकार प्रफुल्ल तिवारी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं अरुण कश्यप को प्रदेश प्रचारक, जितेन्द्र व्यास संभागीय अध्यक्ष, कपिल शुक्ला संभागीय उपाध्यक्ष, अमित बनवारी संभागीय उपाध्यक्ष के अलावा नर्मदापुरम जिला अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता एवं दिनेश बसेडिया को उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। इस अवसर पर श्री पवैया ने संघ के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए संगठन की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम के पूर्व संघ के पदाधिकारियों ने पत्रकार हित में कठोर कानून नहीं बनाने के लिये हिंगलाज देवी प्रांगण में सरकार की सद्बुद्धि के लिये यज्ञ हवन किया गया। बैठक के संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवैया ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री, गृहमंत्री एवं डीजीपी संवेदनशीलता नहीं दिखा रहे हैं। प्रदेश में जिन पत्रकारों के साथ लगातार घटनाएं हो रहीं हैं, उन पत्रकारों के मामले में सभी जिलों के पुलिस अधीक्षक हीला हवाली करते हुए उल्टा मामला दर्ज कर रहे है। पिछले कार्यकाल में भाजपा सरकार द्वारा पत्रकारों के हित में एक कानून बनाया गया था, जिसमें पत्रकारों पर एफआईआर होने से पहले उच्च स्तरीय जांच करने के बाद भी प्रकरण दर्ज करने का प्रावधान था। लेकिन यह नियम ठंडे बस्ते में डाल दिया है। जिसके चलते स्थानीय पुलिस पत्रकारों पर बिना किसी जांच के ही मामले दर्ज कर रही है। इसको लेकर प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ ने पत्रकारों और प्रशासन के बीच सामान्जय बनाने के लिये कई आवेदन और ज्ञापन दिये, लेकिन किसी भी जिम्मेदार के कानों में जूं तक नहीं रेंगी। इसी को लेकर आज हमने नर्मदापुरम में माँ भगवती सहारा लेकर माँ नर्मदा के तट पर 108 मंत्रोचार के साथ हवन पूजन कर सरकार में बैठे प्रदेश के सीएम, गृह मंत्री और डीजीपी को सद्बुद्धि देने की प्रार्थना भी की है ताकि वह पत्रकारों के हित में सोच सकें और पत्रकारों को जो समस्याएं आ रहीं है, उनका समाधान हो सके। श्री पवैया ने कहा कि प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ ऐसा संगठन है, जो पत्रकारों के हित में खुलकर सामने आता है और आगे भी संघ के माध्यम से पत्रकारों की समस्याओं को उठाया जायेगा। इसके अलावा पत्रकार किसी भी संगठन का हो, संघ उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर हमेशा साथ खड़ा है और इसके लिये संघ वचनबद्ध भी है। श्री पवैया ने बताया कि जल्द ही प्रदेश में पत्रकार स्वाभिमान यात्रा निकाली जायेगी, और जिले के कलेक्टरों के माध्यम से सीएम को ज्ञापन सौंपा जायेगा और पत्रकारों के साथ हो रहीं घटनाओं और पुलिस द्वारा दर्ज किये जा रहे प्रकरणों को वापिस लिये जाने की मांग की जायेगी।

पंचायत चुनाव में वोटिंग के लिए नजर आ रहा उत्साह

पोते की गोद में आई 86 साल की दादी कहीं 105 साल की बुजुर्ग ने डाला वोट

भोपाल। मध्य प्रदेश में पंचायत चुनाव के पहले चरण का मतदान चरम पर है. लोग अपने-अपने खास प्रत्याशियों को जिताने के लिए जमकर वोटिंग कर रहे हैं. उनका वोटिंग के लिए उत्साह देखते ही बनता है. इसी उत्साह की एक झलक प्रदेश के दमोह और सिवनी जिलों में देखने को मिली. दमोह में जहां एक 86 महिला पोते की गोद में मतदान करने पहुंचीं तो वहीं सिवनी में एक 105 साल महिला की वोट डाला. पंचायत चुनाव के अलग-अलग रंग कई जिलों में देखने को मिल रहे हैं।

दमोह जिले की पथरिया जनपद अंतर्गत बोतराई गांव में एक मतदाता पैर फैक्चर होने के बावजूद लंगड़ाता हुआ मतदान केंद्र पहुंचा और अच्छे जनप्रतिनिधि को चुनने के लिए अपना मतदान किया. दूसरी ओर, दमोह जनपद की दतला पंचायत में 86 साल की बुजुर्ग महिला सियाबाई भी मतदान करने पहुंचीं. उन्हें उनके पोते रमेश गोद में लेकर मतदान केंद्र पहुंचे. इस मौके पर महिला ने कहा कि सरकार ने मुझे मत का अधिकार दिया है, इसलिए मैं वोट डालने आई हूं. महिला ने कहा कि उनके परिवार के सभी सदस्य हर चुनाव में वोट डालते हैं।

दूसरी ओर, सिवनी में भी पंचायत चुनाव के प्रथम चरण का मतदान जारी है.

प्रथम चरण में सिवनी जनपद और बरघाट जनपद क्षेत्र में मतदान किया जा रहा है. खास बात यह है कि गांव की सरकार बनाने में सभी मतदाता बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं. बुजुर्ग भी मतदान करने में अपनी सहभागिता निभा रहे हैं. सिवनी के बरघाट के मशीन टोला गांव मे 105 वर्षीय सतन बाई तुरकर और पिपरिया ग्राम में एक अन्य 98 वर्षीय बुजुर्ग महिला ने मतदान केंद्र पहुंचकर मतदान किया. मतदान दल इन बुजुर्ग महिलाओं के साथ सेल्फी लेते नजर आए।

इतने मतदाता करेंगे वोटिंग

तीन चरणों में होने वाले मध्य प्रदेश पंचायत चुनाव के पहले चरण का मतदान शनिवार को होगा. पहले चरण के दौरान पूरे प्रदेश में जिला पंचायत के 341, जनपद के 2533 सदस्य, सरपंच 8662 और 135914 पंच पदों के लिए मतदान होगा. प्रदेश के 52 जिलों में 115 जनपद पंचायतों की 8702 ग्राम पंचायतों में मतदान होगा. चुनाव आयोग ने संवेदनशील मतदान केंद्रों पर विशेष नजर रखने के निर्देश जारी किए हैं. राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राकेश सिंह ने बताया कि पहले चरण के मतदान में एक करोड़ 49 लाख 23 हजार 165 मतदाता हिस्सा लेंगे।

क्लैट के नतीजे घोषित, सफल प्रतिभागियों के चेहरे खिले

भोपाल। देश भर के विभिन्न नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (एनएलआयू) और अन्य विधि संस्थानों में यूजी और पीजी कोर्सेस में दाखिले के लिए कामन लॉ एडमिशन (क्लैट) की परीक्षा का परिणाम शुक्रवार रात घोषित कर दिया गया। इसमें राजधानी से करीब 50 विद्यार्थियों ने सफलता पाई है। 12वीं की छात्रा संस्कृति यादव ने आल इंडिया में 172वीं रैंक हासिल की है। वहीं एक अन्य छात्रा खुशी पांडे का आल इंडिया रैंक 469 आया है। क्लैट की परीक्षा 19 जून को आयोजित की गई थी। राजधानी में तीन केंद्रों पर करीब 1500 विद्यार्थी शामिल हुए थे। 120 मिनट के पेपर में 150 सवाल पूछे गए थे। परीक्षा का परिणाम अधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

इस परीक्षा में गणित, अंग्रेजी, सामान्य अध्ययन और विधि से संबंधित प्रश्न पूछे गए थे। इस प्रवेश परीक्षा में सफल विद्यार्थियों का कहना है कि सात से आठ घंटे की पढ़ाई, इंटरनेट मीडिया से दूरी और दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण सफलता मिली है।आल इंडिया रैंक 172 लाने वाली छात्रा संस्कृति यादव ने कहा कि हर रोज नियमित आठ घंटे की पढ़ाई की। बारहवीं की पढ़ाई से ज्यादा क्लैट पर फोकस किया। उन्होंने कहा कि इंटरनेट मीडिया से दूरी बनाई, लेकिन करेंट अफेयर्स पर फोकस किया। संस्कृति के पिता सुनील यादव बिजनेसमैन है और मां रजनी यादव हाउसवाइफ हैं। संस्कृति ने बताया कि अभिभावकों का सहयोग पूरा मिला। इस कारण सफलता मिली।

संग्रहालय में प्रवेश एवं फोटोग्राफी शुल्क में वृद्धि

भोपाल। मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में प्रवेश एवं फोटोग्राफी शुल्क में 1 जुलाई से वृद्धि की गई है। जिसमें भारतीय दर्शक रुपये 20, विदेशी दर्शक (10 वर्ष से अधिक आयु के दर्शकों के लिये) रुपये 400, फोटोग्राफी प्रति कैमरा / मोबाइल के रुपये 100 निश्चित किया गया है, जो 1 जुलाई से प्रभावशील होगा।

सीएम ने किया ऐलान

पाठ्यक्रम में शामिल की जाएगी रानी दुर्गावती की वीर गाथा

जबलपुर। मध्य प्रदेश के छात्र छात्राएं अब वीरांगना रानी दुर्गावती की वीर गाथाएं पढ़ेंगे. उनका कहानी को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा. सीएम शिवराज सिंह चौहान ने जबलपुर में ये ऐलान किया. वो बलिदान दिवस के मौक पर यहां कार्यक्रम में शामिल होने आए थे।

अब जल्द ही मध्य प्रदेश के छात्र छात्राओं को वीरांगना रानी दुर्गावती की वीर गाथाओं को पढ़ने का मौका मिलेगा. रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस के मौके पर जबलपुर पहुंचे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ऐलान किया है कि रानी दुर्गावती समेत तमाम आदिवासी नायकों की शौर्य गाथा पाठ्यक्रम में शामिल की जाएंगी।

इस मौके पर बलिदान स्थल पर आयोजित की गई एक चित्र प्रदर्शनी का भी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अवलोकन किया. मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा रानी दुर्गावती का बलिदान आज की युवा पीढ़ी को प्रेरणा देने वाला है.

रानी दुर्गावती ने कभी मुगलों के आगे सिर नहीं झुकाया और हंसते-हंसते अपना बलिदान दे दिया. मुख्यमंत्री ने कहा रानी दुर्गावती न केवल एक कुशल शासक थी बल्कि उनके द्वारा निर्मित कराए गए जल स्रोत अद्भुत इंजीनियरिंग का उदाहरण हैं. रानी दुर्गावती ने अपने कार्यकाल में जबलपुर में जल संरक्षण का अद्भुत नमूना पेश किया था. हम ऐसी रणनीति से प्रेरणा लेते हैं कि कैसे स्वाभिमान से जीना है और देश का विकास करना है।

बिजली बिल में भारी छूट देने की तैयारी

5 रुपए यूनिट मिलेगी 3 साल तक बिजली

भोपाल। प्रदेश के स्टार्टअप को अब एक नई सुविधा मिलने वाली है। दरअसल, सरकार अब स्टार्टअप स्थापित करने वाले उद्यमियों को बिजली बिल में भारी छूट देने की तैयारी में है, जिससे स्टार्टअप को बढ़ावा मिल सके। सरकार स्टार्टअप स्थापित करने वाले उद्यमियों को तीन साल तक बिजली बिल में छूट देने की तैयारी में है। इसके लिए उत्पाद आधारित स्टार्टअप इकाइयों को विशेष वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी, जिसमें विद्युत शुल्क में छूट शामिल है। इससे प्रदेश के करीब 2087 स्टार्टअप को इसका लाभ मिलेगा। उद्योगपतियों को आमतौर पर 10 रुपए से अधिक प्रति यूनिट बिजली दी जाती है, लेकिन स्टार्टअप वाले उद्यमियों को तीन साल तक बिजली 5 रुपए प्रति यूनिट दी जाएगी।

राज्य सरकार ने मप्र स्टार्टअप नीति एवं कार्यान्वयन योजना 2022 सह प्रक्रिया नीति लागू की है। इस नीति के तहत स्टार्टअप एवं इन्क्यूबेटर्स को वित्तीय, गैर वित्तीय सुविधा, सहायता और सुविधाएं देने का प्रावधान दिया गया है, यानी इकाई को वाणिज्यिक, जलकर आदि में छूट का लाभ मिलेगा। इसके लिए इकाई को विद्युत वितरण कंपनी से विद्युत संयोजन प्राप्त करने की छूट मिलेगी।

> स्टार्टअप स्थापित करने वाले उद्यमियों को कमर्शियल बिजली की आपूर्ति तीन साल तक 5 रुपए प्रति यूनिट की दर से दी जाएगी। साथ ही प्रोडक्ट बेस्ड स्टार्टअप को अधिकतम 25 कर्मचारियों के लिए तीन साल तक प्रतिमाह पांच हजार रुपए वेतन के लिए, तीन साल तक प्रति कर्मचारी हर साल 13 हजार रुपए ट्रेनिंग के लिए और 50 फीसदी राशि किराये के लिए सहायता दी जाएगी।
>
> **पी नरहरी, सचिव, मप्र एमएसएमई**

शिक्षक चुनावी ड्यूटी पर, आरटीई सत्यापन प्रक्रिया व शिक्षण कार्य होगा प्रभावित

भोपाल। पंचायत व नगरीय निकाय चुनाव में जिले के करीब 1200 शिक्षकों की ड्यूटी लगाई है। जिन शिक्षकों की ड्यूटी पंचायत चुनाव में लगी हैं, उन्हें गुरुवार को स्कूलों से रिलीव कर दिया गया। इसमें ग्रामीण क्षेत्रों के शिक्षक अधिक शामिल हैं। इसी तरह नगरीय निकाय चुनाव के समय भी जुलाई के पहले सप्ताह में शिक्षक ड्यूटी पर रहेंगे। प्रदेश में स्कूल 17 जून से खुल चुके हैं और स्कूलों में आरटीई के तहत आए आवेदनों के साथ बेस लाइट टेस्ट भी चल रहे हैं जिसके चलते शिक्षण कार्य सहित आरटीई प्रक्रिया और टेस्ट प्रभावित होंगे।

स्कूलों में ये कार्य हो रहे हैं प्रभावित

वर्तमान में सरकारी स्कूलों में बने संकुल और जनशिक्षा केंद्रों पर शिक्षा का अधिनियम (आरटीई) के तहत निजी स्कूलों में प्रवेश के लिए आवेदकों का सत्यापन कार्य चल रहा है। यह सत्यापन कार्य 30 जून तक होंगे। अब ऐसे में शिक्षकों की ड्यूटी चुनाव में लगाए जाने के कारण सत्यापन कार्य पूरा नहीं हो पाएगा। शासकीय उमावि निशातपुरा में बने जनशिक्षा केंद्र में 10 शिक्षकों को आरटीई के सत्यापन कार्य में लगाया गया था, लेकिन पांच की ड्यूटी चुनाव में लगा दी गई। अब यह कार्य प्रभावित होगा। वहीं नवमी कक्षा के विद्यार्थियों का बेसलाइन टेस्ट कराया जा रहा है। यह कार्य भी प्रभावित होगा। इसके अलावा दक्षता उन्नायन का कार्य भी प्रभावित होगा।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा- सरकार के सुशासन की जीत

प्रदेश के 109 वार्डों में भाजपा के पार्षद निर्विरोध निर्वाचित

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि प्रदेश के नगर निकाय चुनाव में विभिन्न नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर परिषदों के 109 वार्डों में भाजपा उम्मीदवार निर्विरोध पार्षद चुने गये हैं।

नगर निगम में 1 वार्ड, नगरपालिका के 12 एवं नगर परिषद के 96 वार्डों में पार्टी के पार्षद निर्विरोध चुने गए है। प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने सभी पार्षदों को बधाई देते हुए कहा कि यह भाजपा के सुशासन तथा विकास की नीतियों की बड़ी जीत है।

प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने निर्विरोध निर्वाचित सभी पार्षदों को बधाई देते हुए कहा कि यह समन्वय, सामंजस्य और सहयोग का यह अप्रतिम उदाहरण है। इससे पता चलता है कि भारतीय जनता पार्टी की नीतियों के प्रति जनता का निरंतर विश्वास बढ़ा है और हम सब मिलकर स्थानीय चुनाव में विकास के संकल्प को पूरा करेंगे।

सीहोर जिले की शाहगंज नगर पंचायत के 15 वार्डों में से 15 वार्ड, सागर जिले की नगर परिषद बरोदियाकलां के 15 वार्डों में से 15 वार्ड, मालथौन के 15 वार्डो में से 12 वार्ड, बांदरी के 15 वार्डो में से 11 वार्ड, दतिया जिले की नगरपालिका दतिया के 6 वार्ड, छतरपुर जिले के नगरपरिषद बिजावर के 4 वार्ड, नगरपरिषद बढ़ोनी के 3 वार्ड, नगरपरिषद भांडेर में 1 वार्ड, सागर जिले के नगर परिषद देवरी के 2 वार्ड, नगरपरिषद सुरखी के 2 वार्ड, नगरपरिषद शाहपुर के 1 वार्ड, नगरपरिषद बिलहरा के 2 वार्ड, पन्ना नगरपालिका के 2 वार्ड, नरसिंहपुर जिले के नगरपालिका सालीचौका में 1 वार्ड, नगरपरिषद साईखेड़ा में 1 वार्ड, कटनी जिले के नगरपरिषद विजयराघौगढ़ में 1 वार्ड, पन्ना जिले के नगरपरिषद अमानगंज के 1 वार्ड, अजयगढ़ के 1 वार्ड, छतरपुर जिले के नगरपरिषद बारीगढ़ के 1 वार्ड, नगपालिका टीकमगढ़ के 1 वार्ड, नगरपरिषद खरकापुर के 1 वार्ड, इंदौर जिले के नगरपरिषद मानपुर के 1 वार्ड, सांवेर के 2 वार्ड, दतिया जिले के नगरपरिषद भांडेर के 1 वार्ड, ग्वालियर जिले के नगरपरिषद पिछौर के 1 वार्ड, शिवपुरी जिले के नगरपरिषद बदरवास के 1 वार्ड, भिंड के नगरपरिषद मालनपुर के 1 वार्ड, नगरनिगम रतलाम के 1 वार्ड, देवास जिले के नगरपरिषद टोंकखुर्द के 1 वार्ड, पीपलरवां के 1 वार्ड, कांटाफोड़ के 1 वार्ड, सीहोर जिले के नगरपालिका सीहोर के 1 वार्ड, नगरपरिषद नसरूल्लागंज के 2 वार्ड, नगरपालिका रायसेन के 1 वार्ड, नगरपरिषद सांची के 1 वार्ड, बाड़ी के 1 वार्ड, विदिशा जिले के नगरपालिका सिरोंज के 1 वार्ड, हरदा जिले के नगरपरिषद सिराली के 1 वार्ड, सतना जिले के नगरपरिषद उचहेरा के 1 वार्ड,

ईसाई धर्म छोड़कर हिंदू बने बीजेपी प्रत्याशी विविन टोप्पो

सागर। मध्य प्रदेश के सागर जिले में पार्षद उम्मीदवार विविन टोप्पो ने नगर पालिका चुनाव से ठीक पहले ईसाई से हिंदू बनने की घोषणा की है. उन्होंने इसके लिए जिला कलेक्टर को शपथ-पत्र भी सौंप दिया है. धर्म परिवर्तन की कानूनी प्रक्रिया वे जल्द पूरी करेंगे. टोप्पो जिले के उपनगर मकरोनिया में रहते हैं और वार्ड 15 (गोपेश्वर वार्ड) से चुनाव लड़ रहे हैं. उनका कहना है कि वह बचपन से ईसाई धर्म से जुड़े रहे हैं, लेकिन उनके पूर्वज सनातन धर्म को मानने वाले गौंड (आदिवासी) थे. गौंड अनुसूचित जनजाति में आते हैं. अब वे अपनी आस्था के चलते बिना प्रलोभन और भय के ईसाई धर्म छोड़कर सनातन धर्म से जुड़ रहे हैं.

गौरतलब है कि विविन टोप्पो ने शुक्रवार को धर्म परिवर्तन संबंधी कानूनी प्रक्रिया के लिए बाकायदा कलेक्टर को शपथ-पत्र दिया. आगे की कानूनी कार्रवाई वह जल्द पूरी करेंगे. शुक्रवार को उन्होंन पुरोहितों को घर बुलवाया और उनसे घर में अनुष्ठान कराए. टोप्पो ने इसका एक वीडियो भी जारी किया. वीडियो में विविन अपने सहयोगी के साथ पंडित द्वारा मंत्र उच्चार करवाकर पूजा-पाठ कर रहे हैं. वीडियो में वे गंगाजल से पूजन और हवन भी करते हुए नजर आ रहे हैं. इसमें पंडित ने विविन से धर्म परिवर्तन करने का कारण पूछा तो उन्होंने कहा कि मुझे हिंदू धर्म पसंद है, मेरे पूर्वज हिंदू थे, इसलिए हिंदू धर्म अपना रहा हूं। धर्म परिवर्तन करने पर इलाके में विविन की चर्चा हो रही है. इस मौके पर विविन ने कहा कि उनके परिवार की जड़ें सनातनी ही हैं. उन्हें यह धर्म इसकी विविध संस्कृति और पवित्रता की वजह से पसंद है।

ग्वालियर जिले में शांतिपूर्वक मतदान सम्पन्न

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दोपहर 3 बजे तक लगभग 66 प्रतिशत मतदान

ग्वालियर। त्रि-स्तरीय पंचायत आम निर्वाचन कार्यक्रम के तहत ग्वालियर जिले के चारों विकास खण्डों मुरार, घाटीगाँव, डबरा व भितरवार की सभी 263 ग्राम पंचायतों में शांतिपूर्वक मतदान सम्पन्न हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दोपहर 3 बजे तक जिले में मतदान का प्रतिशत लगभग 66 प्रतिशत रहने का अनुमान है। समस्त मतदान केन्द्रों में डाले गए वोटों की वास्तविक जानकारी मिलने के बाद मतदान प्रतिशत में कमी-बढ़ोत्तरी संभव है। मतदान समाप्ति के बाद मतदान केन्द्रों पर ही मतों की गिनती भी की गई। परिणाम की घोषणा राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए संबंधित रिटर्निंग अधिकारी द्वारा की जायेगी।

जिला निर्वाचन कार्यालय (स्थानीय निर्वाचन) से प्राप्त जानकारी के अनुसार दोपहर 3 बजे तक ग्वालियर जिले के विकासखण्ड घाटीगाँव में 54.1 प्रतिशत मतदान अनुमानित है। विकासखण्ड डबरा का कुल मतदान का प्रतिशत 67.4 अनुमानित है। इसी तरह विकासखण्ड भितरवार में अनुमानित मतदान लगभग 70.2 प्रतिशत रहा। विकासखण्ड मुरार में कुल अनुमानित 69.7 प्रतिशत मतदान हुआ।

मतदान करने में महिलाएँ पुरूषों से आगे रहीं

त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन में जिले की महिला मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर अपने मताधिकार का उपयोग किया। जिले के चारों विकासखण्डों में महिलाएँ वोट डालने में पुरूषों से आगे रहीं। दोपहर 3 बजे तक प्राप्त मतदान के आंक?ों के अनुसार विकासखण्ड घाटीगाँव में महिला मतदाताओं के मतदान का प्रतिशत पुरूषों की तुलना में 7.9, विकासखण्ड डबरा में 6.4, भितरवार में 8.3 एवं विकासखण्ड मुरार में 9.4 प्रतिशत ज्यादा रहा।

दोपहर 3 बजे तक विकासखण्ड घाटीगाँव में महिला मतदाताओं का मतदान प्रतिशत 58.4 प्रतिशत, पुरूषों का मतदान प्रतिशत 50.5 प्रतिशत व कुल अनुमानित मतदान 54.1 प्रतिशत रहा। विकासखण्ड डबरा में महिला मतदाताओं का मतदान प्रतिशत 70.8 प्रतिशत, पुरूषों का मतदान प्रतिशत 64.4 प्रतिशत व कुल अनुमानित मतदान 67.4 प्रतिशत रहा।

इसी तरह विकासखण्ड भितरवार में दोपहर 3 बजे तक महिला मतदाताओं का मतदान प्रतिशत 74.7 प्रतिशत, पुरूषों का मतदान प्रतिशत 66.4 प्रतिशत व कुल अनुमानित मतदान 70.2 प्रतिशत रहा। विकासखण्ड मुरार में महिला मतदाताओं का मतदान प्रतिशत 74.9 प्रतिशत, पुरूषों का मतदान प्रतिशत 65.5 प्रतिशत व कुल अनुमानित मतदान 69.7 प्रतिशत रहा।

कलेक्टर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मतदान केन्द्रों का जायजा लेने पहुँचे

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आशीष तिवारी एवं अपर जिला दण्डाधिकारी श्री इच्छित ग?पाले व श्री एच बी शर्मा विभिन्न मतदान केन्द्रों का जायजा लेने पहुँचे। साथ ही सभी रिटर्निंग व सहायक रिटर्निंग अधिकारी तथा सेक्टर मजिस्ट्रेट सहित पुलिस व प्रशासन की मोबाइल टीम दिनभर मतदान केन्द्रों तक पहुँचीं और स्वतंत्र व निष्पक्ष ढंग से मतदान सम्पन्न कराया।

शांतिपूर्ण मतदान के लिये प्रशासन ने माना आभार

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी ने स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शातिपूर्ण मतदान के लिये मतदाताओं, सभी अभ्यर्थियों एवं मतदान दलों के प्रति आभार जताया है। उन्होंने मतदान प्रक्रिया से जुड़े सभी शासकीय अधिकारियो, कर्मचारियो तथा सुरक्षा प्रबंध मे लगे पुलिस अफसरों एवं मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया है। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि सभी के प्रयासों और सहयोग से जिले की परम्परानुसार शांतिपूर्ण, निर्विघ्न एवं निष्पक्ष मतदान सम्पन्न हुआ।

सहभागिता से करेंगे वार्ड का विकास-मनोज तोमर

ग्वालियर। यह चुनाव विकास का चुनाव है और विकास ही विजयी होगा। वार्ड का विकास मॉडल शहर में अनुकरणीय होगा। यह बात शनिवार को वार्ड55 के भाजपा पार्षद पद मनोज तोमर ने जनसंपर्क के दौरान लोगों से कही। उन्होंने धर्मेन्द्र डेयरी (सांई कॉलोनी) गुडी - गुड़ा का नाका से जनसंपर्क प्रारंभ किया। कार्यकर्ताओं ने उन्हें फूल मालाओं से लाद दिया और कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह आतिशबाजी भी चलाई। जगह-जगह बहनों ने उनकी आरती उतारी और उन्हें विजयश्री का आशीर्वाद दिया। श्री तोमर ने कहा कि वार्ड में विकास की धारा द्रुत गति से बहे इस के लिए मेरी नैतिक जिम्मेदारी है। पार्टी ने मुझे पार्षद पद का प्रत्याशी बनाया इस दायित्व का निर्वहन मैं आप सभी के सहयोग, समन्वय और सहभागिता से करूंगा।

पंचायत चुनाव में मतदाताओं ने उत्साह के साथ डाले वोट

मतदाताओं का पुष्पाहारों से हुआ स्वागत

ग्वालियर। त्रि-स्तरीय पंचायत आम निर्वाचन में ग्वालियर जिले के मतदाताओं ने उत्साह के साथ अपने मताधिकार का उपयोग किया। मतदान दिवस 25 जून को प्रातःकाल 7 बजे से ही मतदाता अपने-अपने मतदान केन्द्रों पर पहुँचने लगे और यह सिलसिला मतदान समाप्ति तक जारी रहा। सुबह जब मतदाता वोट डालने पहुँचे तो ड्यूटी पर तैनात शासकीय सेवकों ने रोली-चंदन व पुष्पाहारों से उनका स्वागत किया। इस आत्मीय अभिनंदन से मतदाता गदगद हो गए और उन्होंने लोकतंत्र की मजबूती के लिए अपना वोट डाला।

मतदाताओं को लंबे समय तक कतार में ख? होकर अपनी बारी का इंतजार न करना प?, इसके लिए जिले

में इस बार सभी मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं के बैठने के लिये कुर्सियाँ व छाया के लिये पाण्डाल लगाए गए थे। साथ ही पेयजल सहित अन्य व्यवस्थाएँ भी की गई थीं। वोट डालने आए मतदाता आदर्श मतदान केन्द्र देखकर हतप्रभ रह गए। उनका कहना था कि उन्होंने कई बार मताधिकार का उपयोग किया है लेकिन ऐसा स्वागत कभी नहीं हुआ।

वयोवृद्ध भी बढ़-चढ़कर आए वोट डालने

त्रि-स्तरीय पंचायत आम निर्वाचन में जीवन की आखिरी दहलीज पर ख? वयोवृद्ध ग्रामीणजन भी उत्साहपूर्वक वोट डालने आए। विकासखण्ड डबरा की ग्राम पंचायत कल्याणी के मतदान केन्द्र क्रमांक-156 पर लगभग 87 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक जनाब आसीन शाह अपने परिजनों की मदद से वोट डालने पहुँचे। उनका कहना था कि मुझे जब ङ्क जब वोट डालने का अवसर मिला है तब ङ्क तब हमने अपने मताधिकार का उपयोग अवश्य किया है। भारतीय लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने के लिये सभी को वोट जरूर डालना चाहिए। कल्याणी के मतदान केन्द्र क्रमांक-158 पर वोट डालकर आई लगभग 65 वर्षीय महिला श्रीमती रामश्री की खुशी देखते ही बन रही थी। ग्राम कल्याणी के स्कूल परिसर में कुर्सी पर बैठकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे मतदाताओं का कहना था कि हम सबने अपनी ग्राम पंचायत के सरपंच सहित सभी पंचों को निर्विरोध चुन लिया है। आज हम सब अपने वार्ड के जनपद पंचायत व जिला पंचायत सदस्य को चुनने के लिये वोट डालने आए हैं। भितरवार जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत पुरी के मतदान केन्द्र क्रमांक-214 ग्राम फतेहपुर में श्रीमती मीरा व श्रीमती रामवती अपने गाँव की सहेलियों के साथ वोट डालने पहुँचीं। यहाँ पर दोपहर एक बजे तक 50 प्रतिशत से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर चुके थे।

ग्वालियर को सुन्दर, स्वच्छ और विकसित शहर बनायेगे : डॉ. शोभा सिकरवार

जनसम्पर्क के दौरान लोगों ने किया जोरदार स्वागत

ग्वाल्यिर। कांग्रेस पार्टी की महापौर पद की उम्मीदवार डॉ.श्रीमती शोभा सिकरवार ने कहा है कि विकास के नाम पर झूठी घोषणाये करती है भाजपा। सड़क, पानी, बिजली, गंदगी की समस्या से आम नागरिक परेशान है। मुझे जगह-जगह आम लोग बढे.हुये टैक्सों के बारे में बता रहे है और गार्बेज शुल्क के रूप में बढ़ी राशि वसूली की जा रही है। जब जनता से पहले ही स्वच्छता कर समेत कई प्रकार वसूले जा रहे हैं, तब गार्बेज शुल्क लगाने का क्या औचित्य था। हम विश्वास दिलाते है कि गार्बेज शुल्क को खत्म करेंगे। भाजपा के नेता मंहगाई व बैरोजगारी पर बात नहीं करते है, वे झूठ का प्रपंच फैलाते है। कांग्रेस महापौर पद की उम्मीदवार डॉ.श्रीमती शोभा सिकरवार ने आज वार्ड क्रमांक-3 में शान्ति मैरिज हाउस विनय नगर से जनम्पर्क की शुरूआत करते हुये अनेक मोहल्लों में घर-घर जाकर लोगों से मुलाकात की

और उनकी समस्याओं को सुना और निराकरण करने का आश्वासन दिया। उन्होंने वार्ड क्रमांक-4 में ठाकुर मोहल्ला से जनसम्पर्क की शुरूआत करते हुये कई मोहल्लों में डोर टू डोर जाकर आमजन से चर्चा की। इस दोरान आमजनों, महिलाओं ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया। जनसम्पर्क के दौरान डॉ.श्रीमती शोभा सिकरवार ने कहा कि विकास व प्रगति हमारा लक्ष्य रहा है, काम किया है और काम करके दिखायेंगे। भाजपा की तरह झूठे सपने नहीं दिखायेगे, जो घोषणा करके पैसा वापस ले लेती है। ग्वाल्यिर विकास के क्षेत्र में हर मामले में पिछड़ा हुआ है। भाजपा` झूठ की बुनियाद की राजनीति करती है। कांग्रेस पार्टी के लोग जनसेवा करते है और विकास व प्रगति के काम जन भावनाओं के अनुरूप करते है। कांग्रेस पार्टी आमजन के सम्मान के साथ 66 वार्डो के विकास के संकल्प के साथ जनता के बीच जा रही है। विकास किया है विकास करेंगे के नारे को बुलन्द करेंगे। भाजपा की तरह जुमलेबाजी नहीं करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री श्री चैहान आज ग्वालियर में तीन सभाओं को करेंगे संबोधित

ग्वालियर। मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चैहान कल 26 जून को ग्वालियर प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री चैहान सायं 6 बजे पिंटो पार्क में, सायं 7 बजे इंटक मैदान हजीरा पर, रात्रि 8 बजे गोल पहा?िया पर विशाल आमसभाओं को संबोधित करेंगे। इन सभाओं की तैयारियों को लेकर आज वरिष्ठ नेतओं ने सभा स्थलों का निरीक्षण किया है। इन सभाओं के लिए कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है। उक्त बात आज ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर एवं जिलाध्यक्ष श्री कमल माखीजानी ने संयुक्त रूप से होटल एंबीयंस में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान चर्चा करते हुए कही। इस अवसर पर मंच पर प्रदेश प्रवक्ता पंकज चतुर्वेदी, प्रदेश सहमीडिया प्रभारी जवाहर प्रजापति, पिछ?ा वर्ग के प्रदेश मीडिया प्रभारी पवनकुमार सेन, जिला महामंत्री राजू सेंगर, जिला मीडिया प्रभारी मुरारीलाल मित्तल उपस्थित थे। श्री तोमर एवं श्री माखीजानी ने हम चुनाव में जनता के बीच जा रहे हैं और जनता का भरपूर आशीर्वाद हमें मिल रहा है। जनता को ध्यान है कि 2003 के पहले मध्यप्रदेश में मिस्टर बंटाढार नं-1 की सरकार ने क्या दुर्दशा की थी। उसके बाद 15 साल में हमारी सरकार ने प्रदेश को बीमारू राज्य से निकालकर विकसित राज्य की श्रेणी में लाकर ख?ा कर दिया है।

श्री तोमर एवं श्री माखीजानी ने कहा कि कमलनाथ ने मुख्यमंत्री बनते ही प्रधानमंत्री आवास के घर वापस कर दिए, संबल योजना बंद कर दी, पंजीयन बंद कर दिए, ला?ली लक्ष्मी के अधिकार कम कर दिए, कन्यादान योजना बंद कर दी और जब उनकी विदाई हुई तथा हमारी सरकार बनी तो गरीब कल्याण के साथ विकास कार्यों को फिर गति मिलने लगी। अब विकास के मायने बदल गए हैं। लोग अब उम्मीद करते हैं कि भाजपा के लोग हमारे क्षेत्र को और आगे ले जायेंगे। उन्होंने बताया कि वार्ड स्तरीय विजय बैठक 25 जून को सभी जगह संपन्न हो रही है या हो चुकी है ।

प्रधानमंत्री जी के मन की बात कार्यक्रम को प्रत्येक बूथ पर सुना जाएगा आज

उन्होंने बताया कि उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जी के मन की बात कार्यक्रम को भी कल 26 जून को निर्धारित समय पर प्रत्येक बूथ स्तर पर सुना जाएगा । मन की बात सुनने के बाद कार्यकर्ता वहीं से जनसंपर्क महाअभियान के लिए हर घर-हर मोहल्लें में कूच करेंगे ।

नगर निकायों में विराट नगर विजय सम्मेलन 29 एवं 30 को

उन्होंने बताया कि आगामी 29 और 30 जून को सभी नगर निकायों में विराट नगर विजय सम्मेलनों का आयोजन किया जायेगा । भाजपा की विजय सुनिश्चित करने के लिए इन सम्मेलनों में हमारी सरकारों द्वारा जनहित में उठाए गए कदमों की व्यापक चर्चा होगी ।

जनसंपर्क महाअभियान कार्यक्रम आज से

उन्होंने बताया कि जनसंपर्क महाअभियान कार्यक्रम अत्यंत विराट स्वरूप में 26 एवं 27 जून को सभी निकाय स्थानों पर आयोजित किया जाएगा । इस अभियान के दौरान घर - घर पहुंचकर नागरिकों से पार्टी की विकासवादी नीतियों को समर्थन देने की अपील की जाएगी । साथ ही हितग्राहियों से विशेष संपर्क की योजना इस दौरान कार्यकर्ताओं द्वारा रहेगी। कार्यकर्ता एक उत्सव के रूप में ढोल ढमाके झंडे बैनर के साथ जनसंपर्क महाअभियान करेंगे ।

आने वाले समय में ग्वालियर को मिलेंगी हजारों करोड़ों की सौगात

उन्होंने बताया कि आने वाले समय में ग्वालियर के विकास के लिए हजारों करो? की सौगात आने वाली हैं। 353 करो? की लगात से 6 किमी की ऐलीमेटेड स?क बनने वाली है।143 एकड भूमि पर 450 करो? की लगात से एयरपोर्ट बनने वाला है। ग्वालियर स्टेशन को अंतर्राष्ट्रीय स्तर का स्टेशन बनाने के लिये 441 करो? के बजट की स्वीकृति हुई है। जल्द की कार्य शुरू हो जाएगा। साडा क्षेत्र के विकास के लिये लगातार प्रयासरत है। 400 करो? की लागत से एक हजार बिस्तार का अस्पताल बन रहा है। जल्द ही जनता को इसका लाभ मिलेगा। ऐसी ही अनेकों विकास के कार्य हैं जो ग्वालियर की तस्वीर एवं तकदीर बदलने वाले हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478